RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●27 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक-328 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

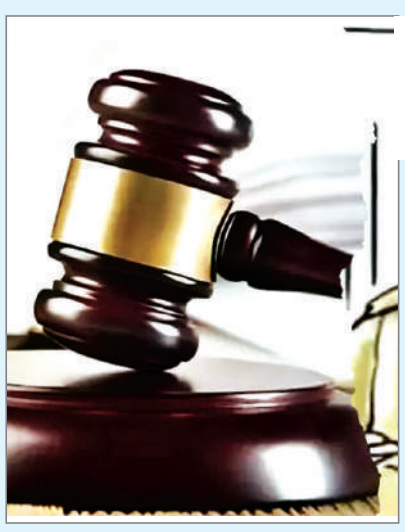

एसपी ने हल्के में लिया आदेश, कोर्ट ने डीजीपी को बुलाया

● जस्टिस जीएस अहलूवालिया बोले-हमारे पास ऑप्शन नहीं ● बालाघाट से जुड़ा है मामला,पहले एसपी को दिया था आदेश

जबलपुर (एजेंसी)। एमपी हाईकोर्ट ने एक मामले में प्रदेश के डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से जांच करने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा कोर्ट ने डीजीपी को पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और एक महीने के भीतर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। मामला बालाघाट जिले का है। कोर्ट ने इससे पहले बालाघाट के एसपी को मामले की जांच के आदेश दिए थे। यह देखते हुए कि बालाघाट एसपी ने कोर्ट के पहले के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया, तो न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया ने स्पष्ट किया कि जांच अब प्रदेश के पुलिस महानिदेशक द्वारा की जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह ये ड्यूटी किसी को नहीं सौंपेंगे। कोर्ट ने डीजीपी को तत्कालीन जांच अधिकारी और कोतवाली पुलिस स्टेशन के तत्कालीन एसएचओ के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (1) (डी) के तहत दंडनीय अपराध दर्ज करने का भी निर्देश दिया है। जस्टिस अहलूवालिया ने डीजीपी को जांच करने और बालाघाट एसपी, एडीशनल एसपी, सीएसपी, कोतवाली थाने के वर्तमान एसएचओ, तत्कालीन

एसएचओ और जांच अधिकारी की जिम्मेदारी तय करने का आदेश दिया है। मामला बालाघाट निवासी अतुल मंडलेकर द्वारा 2014 में दायर एक शिकायत से जुड़ा हुआ है। इस शिकायत में कोतवाली पुलिस स्टेशन द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में एक याचिका दायर की गई थी। 21 सितंबर, 2017 को सीजेएम अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया और नए सिरे से जांच के आदेश दिए। इसके बाद मांडलेकर ने हाईकोर्ट का रुख किया और कहा कि स्थानीय अदालत द्वारा दोबारा जांच के आदेश के बाद पुलिस ने कुछ नहीं किया। 3 मार्च को एचसी ने बालाघाट एसपी को मामले में एक हलफनामा प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

स्मृति ईरानी ने जयराम रमेश पर साधा निशाना

गांधी परिवार का 'दरबारी' कहा, महासचिव ने 'नारी शक्ति' के नारे को एक 'शब्द' बताया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीजेपी सरकार पर नारी शक्ति के नारे की वास्तविकता को लेकर आलोचना की। उनका कहना है कि यह नारा सिर्फ एक 'शब्द' बनकर रह गया है। इस आलोचना के बाद केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने उन पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में जयराम

रमेश को गांधी परिवार का 'दरबारी' करार दिया। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि जब मूर्ख दूसरे को मूर्ख बनाने की कोशिश करते हैं, तो उससे ये पता चलता है की वे कितने मूर्ख हैं। उन्होंने आगे कहा, महिलाओं के कल्याण के लिए भाजपा सरकार के प्रयासों को कमजोर करने के लिए तथ्यों को तोड़मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस महासचिव आंकड़ों पर नजर डालें तो जान सकेंगे की सरकार ने महिलाओं को अपराधों के खिलाफ रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

बीजेपी ने खोज निकाली महुआ मोइत्रा की 'काट'

टीएमसी को टक्कर देंगी शाही परिवार की राजमाता

कोलकाता (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भाजपा की नजर पश्चिम बंगाल में भगवा झंडा लहराने पर है। रविवार को भाजपा ने आम चुनाव को लेकर अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की। इसमें 111 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही पार्टी ने 402 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतार दिए हैं। पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से भाजपा ने शाही परिवार की राजमाता अमृता रॉय को चुनावी मैदान में उतारा है। रॉय का मुकाबला टीएमसी की कद्दावर नेता और लोकसभा से निलंबित सांसद महुआ मोइत्रा से होना है। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस की फायरब्रांड नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'राजमाता' (रानी मां) अमृता रॉय को खड़ा करने के भाजपा के फैसले को लोकसभा चुनाव से पहले एक तुरुप के पत्ते के रूप में देखा जा रहा है। रविवार को भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची में अमृता रॉय के नाम की घोषणा की। शाही परिवार की राजमाता पिछले सप्ताह ही पार्टी में शामिल हुई थीं। अमृता रॉय कृष्णानगर के राजबाड़ी की राजमाता हैं। वह कृष्णानगर से ताल्लुक रखती हैं, जहां 18वीं सदी में तत्कालीन महाराजा कृष्ण चंद्र रॉय का राज हुआ करता था। इतिहास की बात करें तो बंगाल में एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में कृष्ण चंद्र अपने वक्त में एक महान राजा थे।

छिंदवाड़ा में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, नकुल ने भरा पर्चा

- सिंघार ने सिंधिया को कहा गद्दार
- सीधी से कमलेश्वर, बालाघाट से सम्राट ने किया नामांकन

भोपाल। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मंगलवार को कांग्रेस के 4 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इनमें छिंदवाड़ा से नकुलनाथ, बालाघाट से सम्राट सिंह सारस्वत, सीधी से कमलेश्वर पटेल और मंडला से ओमकार सिंह मरकाम शामिल हैं। मरकाम कल फिर पार्टी नेताओं के साथ जाकर पर्चा दाखिल करेंगे। इसी तरह शहडोल से कांग्रेस प्रत्याशी फुंदेलाल मार्को और जबलपुर से दिनेश यादव भी कल नामांकन दाखिल करेंगे। पहले चरण के नामांकन फॉर्म जमा करने का कल (बुधवार) अंतिम दिन है। बुधवार 3 बजे तक नामांकन भरे जा सकेंगे। छिंदवाड़ा में नकुलनाथ के नामांकन के बहाने कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन किया। नामांकन रैली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष भी शामिल हुए। इससे पहले नकुलनाथ ने शिकारपुर के हनुमान मंदिर में दर्शन किए। उनके साथ पूर्व सीएम कमलनाथ, मां अलकानाथ और पत्नी प्रियानाथ भी मौजूद रहीं। दर्शन के बाद वे रैली निकालकर नामांकन भरने पहुंचे। नामांकन दाखिल करने के बाद सभा भी हुई। नकुलनाथ ने कहा कि नाथ परिवार और छिंदवाड़ा के लोगों का राजनीतिक नहीं, पारिवारिक संबंध है। जब भाजपा की सरकार हमें ताली और थाली बजाने का काम दे रही थी, तब छिंदवाड़ा पूरे एमपी और देश में एक ऐसा जिला था, जहां ऑक्सीजन सिलेंडर और इंजेक्शन की कमी नहीं।

सीएम बोले-बहनों की कोई भी योजना बंद नहीं होगी

- सागर में कहा-झूठ बोलना भाजपा की पहचान नहीं; कांग्रेसी कहते थे चुनावी स्कीम

भोपाल। बीते हफ्ते आदिवासी बेल्ट की तीन लोकसभा सीटों रतलाम-झाबुआ, धार और खरगोन का दौरा करने के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव मंगलवार को सागर लोकसभा क्षेत्र के बिलहरा पहुंचे। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में आने वाले बिलहरा में उन्होंने नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में शिरकत की। सीएम ने सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस को निशाने पर लिया।

सीएम ने कहा, कांग्रेस वाले कहते थे कि लाड़ली लक्ष्मी योजना केवल चुनाव तक रहेगी, बाद में बंद हो जाएगी। पैसे नहीं हैं, इतने पैसे कहां से लाओगे। हमने तब भी कहा था और आज भी कह रहे हैं कि झूठ बोलना भाजपा वालों की पहचान नहीं है। लाड़ली लक्ष्मी योजना न तब बंद हुई, न आज बंद हुई, न अगले चुनाव तक बंद होगी। बहनों के लिए सभी योजनाएं जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, मध्यप्रदेश में जहां-जहां भगवान राम और कृष्ण ने अपने चरण रखे, उन स्थानों को तीर्थ बनाया जाएगा। यह काम हमारी सरकार करेगी। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की है।

मोदी-मोदी चिल्लाने वाले स्टूडेंट्स को थप्पड़ मारो

कर्नाटक मिनिस्टर बोले, भाजपा ने कहा-इससे युवा वोटर्स डर जाएंगे, चुनाव आयोग में की शिकायत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के संस्कृति मंत्री शिवराज एस तंगदागी ने सोमवार (25 मार्च) को कोप्पल जिले में चुनाव प्रचार के दौरान कहा- पीएम मोदी ने दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, लेकिन पूरा नहीं किया। जो युवा और स्टूडेंट्स मोदी-मोदी चिल्लाते हैं, उन्हें थप्पड़ मारना चाहिए। शिवराज ने कहा- भाजपा अपना चुनाव प्रचार लेकर आ रही है। अब वे किस मुंह से वोट मांग रहे हैं। यदि स्टूडेंट्स रोजगार मांगते हैं, तो वे उनसे पकौड़ा बेचने के लिए कहते हैं। भाजपा को शर्म आनी चाहिए। शिवराज के बयान के खिलाफ कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता आर अशोक ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। अशोक ने कहा कि शिवराज के बयान से युवा वोटर्स में डर पैदा होगा। वे वोटिंग से दूरी बना सकते हैं।

केरल सीएम बोले- संघ परिवार अब 'जय हिंद' बोलना छोड़ दे

एंटी-सीएए रैली में कहा- 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' नारा मुस्लिमों ने दिया था

मलप्पुरम (एजेंसी)। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट ने केरल के मलप्पुरम में सोमवार को सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) के विरोध में रैली निकाली। इसमें केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा- संघ परिवार को भारत माता की जय और जय हिंद नारा लगाना छोड़ देना चाहिए, क्योंकि इन नारों को मुस्लिमों ने दिया था।

विजयन ने कहा- संघ के नेता जनता से भारत माता की जय और जय हिंद के नारे लगवाते हैं। क्या उन्हें पता है कि ये नारा अजीमुल्लाह खान ने दिया था। वे 19वीं सदी में मराठा पेशवा नाना साहेब के मंत्री थे। ऐसे ही जय हिंद नारा भी मुस्लिम पूर्व डिप्लोमैट आबिद हसन ने दिया था। विजयन ने कहा- दोनों नारों के प्रचलित होने में मुस्लिमों का हाथ है। संघ परिवार कहता है कि मुस्लिमों को भारत छोड़ देना चाहिए और पाकिस्तान भेज देना चाहिए।

संघ के नेताओं को इन नारों के इतिहास को समझना चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार ने सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए का नोटिफिकेशन 11 मार्च को जारी किया था। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर- मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया। इसके खिलाफ ही केरल की लेफ्ट पार्टी ने रैली निकाली थी।

दिल्ली शराब घोटाला

के. कविता को कोर्ट से नहीं मिली राहत

● बीआरएस नेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीआरएस नेता के. कविता को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा दिया है। के. कविता को कोर्ट से राहत नहीं मिली। मंगलवार को बीआरएस नेता के. कविता को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की हिरासत पूरी होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया। यहां से उन्हें 14 दिनों के लिए जेल भेजा गया। इस दौरान के कविता ने कहा, यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं है बल्कि पॉलिटिकल लॉन्ड्रिंग का मामला है। यह एक मनगढ़ंत और झूठा मामला है। मंगलवार को अदालत के फैसले के बाद भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता को शराब घोटाले के मामले में जेल भेज दिया गया है। अदालत ने कविता को 9 अप्रैल तक जेल में रहने का आदेश दिया।

राजधानी में 11 साल में आठवीं बार पारा '38' पार

- 26 से 31 मार्च के बीच तेज गर्मी का ट्रेंड, इस बार हो सकती है बूंदाबांदी

भोपाल। राजधानी भोपाल में मार्च महीने के आखिरी दिनों में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच 26 से 31 मार्च तक तेज गर्मी पड़ी है। इस बार पहले ही गर्मी का असर तेज है। पिछले 11 साल में आठवीं बार दिन का पारा 38 डिग्री के पार पहुंच गया है। इस बार आखिरी सप्ताह में बूंदाबांदी होने का भी अनुमान है। इधर, मौसम बदलने से पहले रातें भी गर्म हो गई हैं। रविवार-सोमवार की रात में पारा 22.6 डिग्री पर पहुंच गया। 24 घंटे में 2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग के अनुसार मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डाले तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है। वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। बाकी सालों में पारा 38 से 41 डिग्री के बीच रहा है। इस बार भी टेम्प्रेचर 38 डिग्री के पार पहुंच गया है। 23 मार्च को पारा 38.4 डिग्री पहुंच चुका है। भोपाल में दिन के साथ रातें भी गर्म हैं। रात का तापमान 22 डिग्री के पार पहुंच गया है। रविवार-सोमवार की रात सीजन की सबसे गर्म रात रही। सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री पर पहुंचा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आखिरी दिनों में पारा और भी बढ़ जाएगा। मार्च माह शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु की ओर परिवर्तन का समय है। इसलिए हर दिन टेम्प्रेचर बढ़ता है।

बीजेपी ने 6 बार के सांसद अनंत हेगड़े का काटा टिकट

● 400 सीटें लाकर संविधान बदलने की बात कही थी; पार्टी ने बयान से किनारा किया था

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा ने कर्नाटक से सांसद अनंत कुमार हेगड़े का टिकट काट दिया है। उन्होंने 10 मार्च को कहा था कि अगर एनडीए को 400 सीटें मिलती हैं तो संविधान को बदल दिया जाएगा। इसके बाद पार्टी ने उनके बयान से किनारा कर लिया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा इस बार उन नेताओं को टिकट नहीं दे रही है, जो बार-बार विवादित बयान देकर सुर्खियों में आते हैं। 28 साल में अनंत हेगड़े ने उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट से छह बार जीत हासिल की। इसके अलावा वो छह बार विधायक और कर्नाटक विधानसभा के स्पीकर और कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। संविधान में संशोधन करना होगा, क्योंकि कांग्रेस के लोगों ने कुछ अनावश्यक बदलाव करके इसे मौलिक रूप से बदल दिया है। खासकर हिंदू समुदाय से जुड़े कानून। अगर यह सब बदलना है तो यह दो-तिहाई बहुमत के बिना नहीं किया जा सकता है। अगर एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी तो यह बदलाव किया जा सकता है। हम बीजेपी और संघ परिवार के सदस्य हैं। अगर हम यहां रहेंगे तो दुनिया में शांति होगी। अगर हम नहीं हैं, तो विश्व शांति भी नहीं है। मैंने पहले बताया था कि जब तक इस्लाम रहेगा, विश्व शांति नहीं होगी। उसके बाद उन्होंने मेरे खिलाफ मामला दायर किया। मैं इन सब से नहीं डरता। जैसे बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था वैसे ही चिन्नदा पल्ली मस्जिद को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 27 मार्च , 2024

नर्मदापुरम में होली में उत्सवःगानों पर थिरके बच्चें, युवक-युवतियों, बाजार से कॉलोनियों में उड़ा रंग-गुलाल

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में रंगों के त्यौहार होली पर्व होलिका दहन के साथ ही रविवार रात से शुरू हो गया। सेठानी घाट पर रंग-गुलाल और फूलों की होली खेली गई। महिला-युवक-युवतियों ने जमकर एक-दूसरें को रंग-गुलाल और फूल फेंककर होली का उत्सव मनाया। सोमवार को सुबह होते-होते ही लोग होली की मस्ती में डूब गए। बच्चें पिचकारी और बलून में रंग भरकर एक-दूसरे पर डाल मस्ती करते रहे। होली है की गूंज हर गली, हर मुहल्ले में गूंजने लगी। सड़क पर युवाओं की टोलियां निकलती रही। जिन्होंने एक-दूसरे को जमकर रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाईयां दी। हर तरफ खुशी और उल्लास नजर आ रहा है और उसी उल्लास में पूरा नर्मदापुरम रंगा नजर आ रहा है। इस बार की होली खास है, क्योंकि लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू है। लेकिन चुनावी रंग होली के रंगों में मिल गया है। शहर में होली के दौरान कोई हुड़दंग न हो इसके लिए शहर के कई स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। चौक-चौराहों पर पुलिस मुस्तैद रही और नशे में वाहन चलाने वालों की चेकिंग की गई।

सीताराम कलचुरी महिला मंडल का होली उत्सव संपन्न

सीताराम कलचुरी महिला मंडल द्वारा फाग महोत्सव मनाया गया। होली के अवसर पर जमकर रंग गुलाल खेला गया। सिर्फ हर्बल और गैर रासायनिक रंगो का प्रयोग किया। कार्यक्रम में पूजा ने कृष्णजी एवं रीना ने राधा रानी का पात्र अदा किया। सामाजिक मातृ शक्तियां सखिया बनी। महिलाओं द्वारा संकल्प लिया गया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पक्षियों के लिए अपने घरों की छत पर सकोड़े रख पानी एवं भोजन की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में अनुजा, अनुराधा मालवीय, वंदना राय, आरती चौकसे, रीना चौकसे, पूजा मालवीय एवं रूपा चौकसे एवं अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

इटारसी में होली पर्व की धूमःजमकर उड़ा रंग गुलाल, पुलिस ने की वाहनों की चेकिंग

इटारसी(निप्र)। होली का त्योहार शहर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। सोमवार को शहर के कई इलाकों में जमकर रंग गुलाल उड़ा। वहीं इटारसी पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग की। शहर के ओवर ब्रिज पर पुलिस की यातायात प्रभारी सुनील घावरी ने शराब के नशे में वाहन चलाने वालों की जांच की। इस दौरान शहर के एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान, इटारसी थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बस और बाइक चालकों की जांच की। होली के अवसर पर शहर के पहली लाइन स्थित जैन मंदिर में समाज के लोगों ने रंग गुलाल खेला। वहीं शहर के कान्वेंट स्कूल के पीछे युवाओं ने होली के गानों की धुन पर जमकर डांस किया। शहर में शांतिपूर्ण और सौहार्द से साथ होली का पर्व मनाया जा रहा है। लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने ग्राम कोटवार और चौकीदार को बनाया गया है विशेष पुलिस अधिकारी

रायसेन (निप्र)। जिले में माह मार्च में 25 मार्च को धुलेंडी तथा 30 मार्च को रंगपंचमी पर्व परम्परानुसार मनाया जाएगा। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा जिले में पर्वो के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले कोटवारों को विशेष पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत पुलिस एक्ट की धारा 17 के अंतर्गत रायसेन जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में आने वाले ग्राम कोटवारों/चौकीदारों को उनके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 24 मार्च 2024 से 30 मार्च 2024 तक ग्राम कोटवारों तथा चौकीदारों को विशेष पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है।

नर्मदापुरम में महिला ने पेश की ईमानदारी की मिसाल:तरबूज बचने वाली महिला को मिले 17500रुपए, थाने में जमा कराए

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम में तरबूज की दुकान लगाने वाली एक महिला ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। रविवार की रात को महिला ममता केवट को उसकी दुकान के सामने एक मुश्त 17500 रुपय लावारिस पड़े मिले। एक साथ इतने रुपए मिलने के बाद भी गरीब महिला का ईमान नहीं डगमगाया। महिला ने अपने पति के साथ थाने पहुंचकर लावारिस मिले रुपए को पुलिस के पास जमा कराए। ताकि रुपए असली मालिक तक पहुंच सके। महिला ममता केवल तवा पुल के पास तरबूज की दुकान लगाती है। उन्होंने बताया रविवार रात को उसकी दुकान के पास उसे 17500 रुपय पड़े मिले थे। रुपए मिलने की खबर मिलते ही आसपास की दुकान वाले कुछ लोग झूठ बोलकर मुझसे रुपय मांगने लगे। लेकिन मैंने उन्हें रुपए देने की बजाय पुलिस थाने में रुपए जमा कर दिए। महिला ममता की इस ईमानदारी की प्रशंसा लोगों द्वारा की जा रही है।

ड्राय-डे पर बेचने के लिए घर में छिपा रखी था:नर्मदापुरम में 56हजार रु. की शराब के साथ युवती अरेस्ट

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले में लोकसभा चुनाव और होली पर्व को देखते हुए अवैध शराब और गांजे की धरपकड़ जारी है। इसी कड़ी में रविवार को देहात थाना पुलिस ने बाबई रोड स्थित वैदिक विहार कॉलोनी में एक घर से 56 हजार रुपए की 16 पेटी शराब जप्त की। पुलिस ने घर से एक युवती को भी अरेस्ट किया। ड्राय डे के चलते शराब दुकानें बंद होने से आज सोमवार को होली पर शराब बेचने के लिए घर में छुपाकर स्टॉक कर रखा था। लेकिन पुलिस ने एक दिन पहले ही घर में दविश देकर 16 पेटी शराब पकड़ ली। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार चौहान ने बताया मुखबिर सूचना पर कि बाबई रोड वैदिक विहार कालोनी में पल्लवी मौर्य (24) ने किराये घर में शराब का स्टॉक कर रखा है। टीम भेजकर घर में दविश दी गई। छानबीन में अवैध शराब 16 पेटी देशी प्लन जप्त की। जिसकी कीमत 56000 रुपए है। आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के अंतर्गत केस दर्ज कर महिला को अरेस्ट किया। महिला ने शराब कहा से लाई या किसी लाइसेंसी ठेकेदार ने बिकवाने के लिए रखी थी।

शराबी युवक ने की गाली-गलौज :मोहल्ले के लोगों ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

इटारसी(निप्र)। रविवार रात को इटारसी के मेहरागांव में एक युवक ने शराब के नशे में कुछ लोगों के साथ जमकर गाली गलौज की। इसके बाद युवक मोहल्ले के दो युवकों के खिलाफ लूट की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद क्षेत्र के लोगों ने थाने पहुंच कर युवक के खिलाफ लिखित शिकायत की है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि मेहरागांव के दर्जी मोहल्ले में रहने वाले शिवम पिता बबलू नामदेव रात में शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहा था।

होली की शाम युवक ने किया हवाई फायरःनर्मदापुरम में खुलेआम फायरिंग के बाद भागे युवक

नर्मदापुरम(निप्र)। होली पर्व के अवसर पर नर्मदापुरम शहर के वार्ड नंबर 13 आदर्शनगर क्षेत्र में सोमवार शाम को हवाईफायर हुआ। बाइक से आएं युवकों में पहले जमकर उत्पात मचाया। जिसके बाद एक युवक ने अपने पिस्टल निकालकर लगातार दो हवाई फायर कर दिए। गोली की आवाज सुन कॉलोनी के रहवासी डर गए। दोनों युवक फायरिंग के बाद भाग निकले। घटना शाम 6.45बजे है। सूत्रों के मुताबिक हवाई फायर की वजह प्रेम संबंध होना बताया जा रहा है। जिसके चलते मोबाइल का लेन-देन हुआ। इसी कारण युवकों ने आकर पहले विवाद किया। बाद में दहशत फैलाने के लिए पिस्टल से दो हवाई फायर कर दिए। हवाई फायर के बाद का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक के हाथ में पिस्टल व दूसरा युवक बाइक चलाते दिख रहा। घटना की सूचना मिलने के बाद देर शाम को देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का मुआयना किया। किसी ने भी घटना को लेकर शिकायत नहीं की है, जिससे पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया।

सिंचाई का पानी नहीं मिलने से ग्रामीण नाराजःबिसोनी कला के लोग करेंगे लोकसभा चुनाव का बहिष्कार

सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बिसोनी कला के लोगों ने लोकसभा के चुनाव का बहिष्कार करने की बात कही है। सिंचाई के पानी की व्यवस्था को लेकर ये लोग नाराज हैं और लंबे समय से सिंचाई के पानी की मांग कर रहे हैं। मंगलवार को ग्राम बिसोनी कला मे सभी ग्रामीण एकत्रित हुए और गाँव में चुनाव बहिष्कार के फ्लेक्स लगाए गए साथ ही सभी ग्रामीणों ने नारेबाजी कर पानी की मांग को लेकर लोकसभा के चुनाव के बहिष्कार की बात कही है। ग्राम बिसोनी के किसान अजीत यादव ने बताया कि ग्राम बिसोनी कला के ग्रामीण विगत 5 वर्षों से नहर के पानी की मांग कर रहें है। परन्तु आज तक गाँव में नहर का पानी नहर विभाग नहीं पहुंचा पाया है। खेतों के लिए गांव में पानी की समस्या बनी हुई है और किसान सिंचाई के पानी को लेकर परेशान हैं। इस वर्ष सभी ग्रामीणों ने निर्णय लिया है की यदि मूंग की फसल में पानी नहीं तो फिर लोकसभा चुनाव में वोट भी नहीं डाले जायेंगे। आपको बता दें की ग्राम बिसोनि कला में भिलाडिया माइनर 27 एल तक मूंग के लिए नहर के पानी की मांग को लेकर किसान नाराज है। उनके द्वारा विगत दिवस नहर विभाग, तहसीलदार सहित कलेक्टर को भी ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया था की यदि उन्हें मूंग की फसल में पानी नहीं मिला तो सभी ग्रामीण लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे। परन्तु अधिकारियों के द्वारा कोई सुध नहीं ली गई।

नर्मदापुरम में तवानदी के अवैध कच्चे पुल पर विवादः बाइक पर चढ़ाई बोलेरो, युवक के पैर में चोट

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले के मरोड़ा-राजौन गांव के बीच तवा नदी पर बने कच्चे अवैध पुल पर गाड़ी निकालने के दौरान विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक युवक ने बुलेरो वाहन बाइक पर चढ़ा दी। बाइक चला रहा युवक गिर गया। युवक ने बुलेरो वाहन भी रिवर्स निकाल लिया। रजौन के राहुल कीर नाम के युवक व उसके साथियों ने मरोड़ा के युवक से मारपीट भी की। घटना में युवक सचिन यादव को पैर में चोट आई। उसे इटारसी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराय गया है। सूत्रों के मुताबिक तवा नदी पर मरोड़ा से माखनगर की तरफ आने-जाने के लिए हर साल कच्चे पुल का निर्माण होता है। इस पुल से निकलने के कुछ युवकों ने रुपए वसूले जाते है। घायल सचिन यादव ने बताया आज सोमवार शाम 4 बजे मैं पुल से निकल रहा था, पुल से निकलने के लिए मुझसे राहुल कीर ने रुपए मांगे। मैंने जब कहा कि लोकल का ही रहने वाला हूं, तो मुझसे राहुल ने विवाद किया। मारपीट की। फिर बुलेरो मेरी बाइक पर चढ़ा दी। जिससे मेरे ऊपर बाइक गिर गई। फिर बुलेरो गाड़ी रिवर्स लेकर दोबारा बाइक पर चढ़ा दी। युवक को इटारसी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रामपुर थाना प्रभारी विपिन पाल ने बताया तवा नदी पर विवाद हुआ है। बाइक चालक युवक से मारपीट व गाड़ी से टक्कर मारने की बात मुझे पता चली है।

स्वीप अभियान के तहत दिवाकर लेखन से मतदान हेतु मतदाताओ को जागरूकता संदेश

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की मतदान तिथि को सभी मतदाता अपने अपने मतदान केन्द्र पर पहुंच कर मतदान करे इसके लिए स्वीप गतिविधियों तहत विभिन्न आयोजनों के माध्यम से संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा दिए गए निर्र्देशो के परिपालनर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं को सुगमता से संदेशों की प्राप्ति हो इसके लिए दिवारों पर निर्वाचन आयोग के स्लोगनों को विभिन्न विभागों के माध्यम से लिखा जा रहा है। खासकर महिला बाल विकास विभाग के ग्रामीण अमले द्वारा महती भूमिका निभाई जा रही है। शत प्रतिशत मतदान के लिए घर घर जाकर संपर्कए दीवाल लेखनए मतदाता जागरूकता रैलीए शपथए रंगोली के माध्यम से जागरूकताए बाहर रहने वाले मतदाताओ से संपर्क करने की रणनीति भी तय की जा रही है। मतदाताओ को शपथ दिलाई जा रही है कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र मे अपनी पूर्ण आस्था प्रकट करते हुए यह शपथ लेते है कि अपने देश को लोकतांत्रिक परंपराओ की मर्यादा को बनाये रखेगे । स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए निर्भिक होकरए धर्मए वर्गए जातिए समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो मे अपने मताधिकार का प्रयोग करेगे।

विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य में जिला क्षय केंद्र में किया गया टीबी चैंपियन की कार्यशाला का आयोजन

रायसेन (निप्र)। जिला क्षय केंद्र रायसेन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर दिनेश खत्री के निर्देशन एवं डीटीओ डॉक्टर यशपाल बाल्यान के मार्गदर्शन में टीबी चैम्पियन एवम आशा कार्यकर्ताओं की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें टीबी से संबंधित बीमारी की पहचान एवं लक्षण को पेंटिंग के रूप में बनाया। जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ आरती गंगवार ने बताया कि 24 मार्च विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य में राज्य शासन से प्राप्त दिशा निर्देश अनुसार साप्ताहिक पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उत्कृष्ट चित्रकला का प्रदर्शन करने वाली आशा बहनो और टीबी चैंपियन को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। विश्व क्षय दिवस के पखवाड़े मे 15 अप्रैल तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिससे टीबी उन्मूलन के लिए जन-जन तक प्रचार किया जा सकेगा ताकि समय रहते टीबी के लक्षणों की पहचान कर, उन्हें शासन की गाइड लाइन अनुसार इलाज मुहैया कराया जा सके। साथ ही एडल्ट बीसीजी टीकाकरण की जानकारी भी जानकारी दी जाएगी। ज्ञात हो कि रायसेन जिले में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी बीमारी से ग्रस्त लोगों में पिछले वर्ष की तुलना में 18त्न की कमी पाई गई । वर्ष 2022 में 2481 मरीज की तुलना में वर्ष 2023 में 2042 मरीजों मे टीबी बीमारी की पहचान कर उपचार दिया गया। जिले में 110 ग्राम पंचायत का चयन भी टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान अंतर्गत किया जा चुका है। जिले में एडल्ट बीसीजी वैक्सीनेशन अभियान अंतर्गत 9984 हितग्राहियों को वैक्सीन भी लगई जा चुकी है जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में समस्त मैदानी कार्यकर्ताओं ,एनटीईपी कर्मचारियों को जिला क्षय अधिकारी द्वारा दिशा निर्देश दिए गए एवम समस्त विकासखंडो में अभियान चलाने के निर्देश दिए।

जिले में कलेक्टर दुबे के निर्देशानुसार आबकारी अमले द्वारा अवैध शराब कारोबारियों के विरूद्ध की जा रही है कार्यवाही

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविन्द कुमार दुबे के निर्देश पर सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमति वंदना पाण्डेय के मार्गदर्शन में लोक सभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता जिले में प्राभावशील होने से आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा संग्रहण, परिवहन चौर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत उडनदस्तो (फलाईंग स्कॉट टीम) का गठन किया गया है। आर्दश आचार संहिता लागू होते ही श्रीमति वंदना पाण्डेय सहायक आशुयक्त आबकारी रायसेन द्वारा स्वयं मद्य भण्डागारों/ इकाईयों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। जिसमें उपायुक्त आबकारी संभगीय उड़नदस्ता भोपाल श्री यशवंत कुमार धनौरा के साथ-साथ 22 मार्क्च को सोम आसवानी सेहतगंज का निरीक्षण किया जाकर समस्त प्रकार की कमियों की पूर्ति किये जाने के निर्देश दिये गये है, जिसमें इकाई में प्रति यूनिट पर सी.सी.टी.व्ही कैमारों को सूचारू रूप से 24×7 की निगरानी में कार्य किये जाने के निर्देश दिये गये है। कैमरो से निगरानी कार्य कन्ट्रोल रूम भोपाल द्वारा किया जा रहा है। गठित उडनदस्तो (फलाईंग स्कॉट टीम) द्वारा आदर्श आचार संहिता अवधि से दिनांक 22.03.2024 तक कुल 29 प्रकरणों में देशी / विदेशी / हाथ भट्ठी मदिरा मात्रा 175 बल्क लीटर एवं लाहन मात्रा 3920 किलो ग्राम जप्त की गई है। जप्त मदिरा व लाहन का बाजार मूल्य 44,22,185/- (रूपये चवालिस लाख बाईस हजार एक सौ पचासी) है। एक प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के अंतर्गत प्रकरण में मोटर साइकिल जप्त किया गया है। जिसका अनुमानित मूल्य 100000/- (रूपये एक लाख) है। श्रीमति वंदना पाण्डेय, सहायक आयक्त आबकारी रायसेन द्वारा बताया गया है कि लोक सभा निर्वाचन 2024 अवधि में अवैध मदिरा संग्रहण, परिवहन चौर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध कार्यवाही इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी।

स्वीप प्लान के तहत जिलेभर में आयोजित की जा रहीं हैं मतदाता जागरूकता गतिविधियां

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में जिले में अधिक से अधिक मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियों में रैली, चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, मानव श्रृंखला आदि के माध्यम से लोकसभा आम निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान का संदेश दिया जा रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, बुधवार 27 मार्च , 2024

बालकनी से गिरा चार साल का बच्चा, मौत

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में एक चार साल का बच्चा बहन के साथ खेलते-खेलते तीसरी मंजिल से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। बच्चे के नाम सूर्यांश पिता सुल्तान है। बताया जाता है कि सूर्यांश अपनी बड़ी बहन के साथ तीसरी मंजिल पर खेल रहा था। इस दौरान वह दौड़ता हुआ आया और खुद को संभाल नहीं सका तथा रेलिंग से नीचे जा गिरा। आठ दिन से उसका इलाज चल रहा था। इसके बाद कल बच्चे की मौत हो गई।

रास्ता रोककर नाबालिग लड़की को धमकाया

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को आरोपित ने धमकाया। वह लड़की पर दोस्ती करने का दबाव बना रहा था। कोचिंग आते-जाते उसका पीछा करता था। आरोपित का नाम आशीष है। पुलिस ने लड़की की शिकायत पर उसके खिलाफ केस दर्ज किया है।

देर रात तक खुला था पब, केस दर्ज

इंदौर। विजय नगर थाना पुलिस ने पियानो पब बार के खिलाफ केस दर्ज किया है। सोमवार को होली वाले दिन पियानो बार देर रात तक खुला था और तेज आवाज में गाने बज रहे थे। इस पर पुलिस ने नियमों का उल्लंघन के आरोप में बार पर केस दर्ज कर लिया।

संयुक्त कलेक्टर सोनी को सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी का प्रभार

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष सिंह ने प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से संयुक्त कलेक्टर प्रदीप कुमार सोनी को वर्तमान कार्यभार के साथ अन्य शाखाओं का प्रभार सौंपा है। संयुक्त कलेक्टर सोनी को सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही वरिष्ठ लिपिक शाखा, इंदौर सी.एस.आर. फाउण्डेशन सम्बन्धी कार्य, पी.सी.एन्ड पी.एन.डी.टी. एक्ट शाखा, राज्य बीमारी सहायता एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रकरण, राहत शाखा, स्लम रिहैबिलिटेशन(बस्ती उन्मूलन), रोगी कल्याण समिति जिला चिकित्सालय, स्वास्थ्य अर्बन हेल्थ और मध्यस्थता सेल का प्रभार सौंपा गया है।

होली के साथ ही इंदौर का पारा चढ़ा : 37 डिग्री के पार हुआ तापमान

● पूरे प्रदेश का लगभग यही हाल ● बढ़ रही बिजली की खपत

इंदौर। दिन में सूरज की तपिश जहां गर्मी का अहसास करवा रही है, वहीं रात के तापमान में बढ़ोतरी के कारण लोगों को घरों में कूलर, पंखे व एसी का सहारा लेना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों से इंदौर में हल्के बादल छाने के साथ रात के तापमान में तीन से चार डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वही पिछले पांच दिन में दो बार दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा है। मौसम विभाग के ऐप और एग्रीकल्चर कॉलेज के मुताबिक मंगलवार को दिन का तापमान 37.5 डिग्री रहा।

प्रदेश में होली आते ही तापमान में वृद्धि नजर आने लगी है। इंदौर, भोपाल समेत लगभग सभी जिलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इंदौर में सात दिन में करीब चार डिग्री का उछाल आया। सोमवार को यह 36.5 और 20.6 डिग्री था। रविवार को दिन का तापमान 36.4 (सामान्य) डिग्री और रात का तापमान 20.4 (+2) डिग्री था।

पहले तेज गर्मी फिर बारिश के आसार

मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया अगले कुछ दिनों में मौसम फिर से बदलेगा। 29 मार्च से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर प्रदेश में देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि पारा अगले दो दिन में 39 से 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। रातें भी गर्म हो रही हैं। इसके बाद मौसम

बदलेगा तो कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है और कहीं पर बादल भी छा सकते हैं। इससे पहले तेज गर्मी का ही दौर चलेगा। इंदौर में कुछ दिन में तापमान 38-39 डिग्री सेल्सियस पार जा सकता है। हवा का रुख दक्षिण-पश्चिम होने से इसमें और बढ़ोत्तरी हो सकती है।

प्रदेश का हाल

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। अधिकतर जिलों के अधिकतम तापमान विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। भोपाल, उज्जैन, सागर संभागों के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहे एवं शेष सभी जिलों में सामान्य रहे। इसी तरह लगभग अधिकांश जिलों के न्यूनतम तापमानों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। न्यूनतम तापमान भी भोपाल, उज्जैन, शहडोल संभागों के जिलों में सामान्य से अधिक रहे। नर्मदापुरम संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहे एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहे। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 39.6 एष्ट दमोह में दर्ज किया गया तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.3 एष्ट कल्याणपुर चड्ढ्य (शहडोल) में दर्ज किया गया।

बढ़ रही बिजली की खपत

इंदौर में आमतौर पर बिजली की मांग 450 मेगावाट तक होती है। जो मार्च में बढ़कर 550 मेगावाट तक हो जाती है है। अप्रैल में 600 और मई में 700 तक पहुंच जाती है।

गंदा पानी रोकने के लिए निगम बनाएगा 4 एसटीपी

● ड्रेनेज सफाई कार्य के लिए खरीदेंगे चार-चार करोड़ की आधुनिक मशीनें

इंदौर। सिंहस्थ के चलते नगर निगम और प्रशासन बड़े पैमाने पर शहर में कई कार्यों की शुरुआत आने वाले दिनों में करने जा रहा है और इसको लेकर नगर निगम कमिश्नर ने आला अधिकारियों की सेल भी गठित कर दी है। ग्रामीण क्षेत्र के चार हिस्सों में 150 करोड़ के चार नए एसटीपी बनाए जाएंगे और उनकी मदद से गंदा पानी रोका जाएगा। एसटीपी के लिए सरकारी जमीन ढूंढी जा रही हैं। पिछले दिनों कलेक्टर आशीष सिंह और नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा के साथ प्रशासन और नगर निगम के अलावा कई अन्य विभागों के बड़े अफसरों की बैठक सिंहस्थ के चलते इंदौर में होने वाले कार्यों को लेकर आयोजित हुई थी। सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि वे अपने-अपने विभागों के अधीन होने वाले कार्यों की रूपरेखा और प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर लें, ताकि आने वाले समय में जल्द से जल्द इसके कार्य शुरू कराए जा सके । इसी के चलते नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने होने वाले कार्यों के लिए सेल गठित की है। कई आला अधिकारियों को भी शामिल किया गया है।

चार एसटीपी के लिए ढूंढ रहे हैं जमीन

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक कबीटखेड़ी ट्रीटमेंट प्लांट और आसपास के कई क्षेत्रों से गंदा पानी शिप्रा नदी में जाने की शिकायत आ रही है और इसी के चलते अब ग्रामीण क्षेत्रों में चार नई सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक बड़ा बांगड़दा, केलोदहाला, मायाखेड़ी, और कुमेड़ी में नए प्लांट बनाए जाने की योजना है और इस पर करीब 150 करोड़ रुपए का खर्च संभावित है। निगम राजस्व विभाग के साथ-साथ प्रशासन और नजूल विभाग की जमीनों की खोजबीन की जा रही है।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक सिंहस्थ के चलते आने वाले दिनों में तेजी से काम शुरू कराए जाएंगे। सबसे पहले दौर में पूरे शहर के ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने के लिए कई कार्य शुरू होंगे। चूंकि, वर्तमान में नगर निगम ड्रेनेज विभाग के पास कर्मचारियों की बेहद कमी है, इसी के चलते बड़े पैमाने पर अत्याधुनिक गाडिय़ां खरीदी जाएंगी, ताकि उनकी मदद से ड्रेनेज सफाई कार्य तेजी से हो सके। अधिकारियों के मुताबिक इनमें कई आधुनिक गाडिय़ों की कीमत चार से पांच करोड रुपए तक भी हैं।

लोकसभा निर्वाचन 2024 - सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश में आंशिक संशोधन

इंदौर। इंदौर जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से लोकसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए जारी सेक्टर अधिकारियों के आदेश में संशोधन किया गया है। अपर कलेक्टर एवं समन्वयक नोडल कार्मिक प्रबंधन श्रीमती सपना लोवंशी ने पूर्व में आर्सजित 5 सेक्टर अधिकारियों को मुक्त करते हुए उनके स्थान पर नये सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मंयक श्रीवास्तव, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की उपयंत्री श्रीमती सावित्री मुवेल, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना के उपयंत्री वीरेन्द्र सिंह चौहान, भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रशासनिक अधिकारी जितेन्द्र सिंह चौहान, एलआईसी ऑफ इंडिया के विकास अधिकारी आशीष दुबे को सेक्टर अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर 12 से 14 अप्रैल तक

इंदौर। राबर्ट नर्सिंग होम ओल्ड सीहोर रोड़ इंदौर में 12 से 14 अप्रैल 2024 तक निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें कटे होंठ, तालू एवं जले हुए मरीजों का ऑपरेशन एवं निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी की जायेगी। पात्र मरीजों का चयन 12 अप्रैल को प्रातः 8 से 9.30 बजे तक शिविर में किया जायेगा।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिले के विद्यार्थियों को मतदान करने की दिलाई गई शपथ

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव को देखते हुए मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के संबंध में अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव से लेकर शहर तक लगातार जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इन कार्यक्रमों में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी के तहत जिले के डॉ. अम्बेडकर नगर स्थित शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार युवा मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर शैक्षणिक संस्थानों में भी अभियान चलाया जा रहा है। इन्ही निर्देशों के परिपालन में भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महू में प्राचार्य डॉ. प्रवीण ओझा द्वारा स्वीप प्लान के अंतर्गत आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान रखते हुए मतदाता जागरूकता अभियान के तहत महाविद्यालय में विधार्थियो को मतदान का महत्व बताया गया तथा आगामी लोकसभा निर्वाचन में विद्यार्थियों को शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण ओझा ने विद्यार्थियों को मतदान का महत्व समझाते हुए उनसे अनुरोध किया कि मतदान हमारा अधिकार है, यही एक ऐसा अधिकार है जो हर वर्ग समाज, गरीब, अमीर सबके लिए समान है, इसकी गरिमा को समझें और अपने मताधिकार का उपयोग कर राष्ट्र को सशक्त बनाएं। इस मतदान जागरूकता अभियान में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पी के सनसे, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. स्नेहलता व्यास, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ. मनीषा दंडवते, कैप्टन डॉ. कृष्णा भूरिया, डॉ. शैलेंद्र पिपरिया, मुख्य लिपिक हेमंत जादम विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. संजय सोहनी ने किया।

सफाई मित्रों ने संभाला मैदान

इंदौर। धुलेंडी पर्व के चलते शहर में जमकर होली मनी और कल शाम 4 बजे से नगर निगम के सफाई मित्रों ने प्रमुख मार्गों पर सफाई का अभियान शुरू कर दिया। इस दौरान कई गाडियों में भरकर सडक़ों पर फैला कचरा हटाया गया। यह अभियान इसके बाद वार्डों के गली-मोहल्लों में भी चला, जो देर रात तक जारी रहा।दो दिन पहले ही नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि होली का पर्व निपटते ही शहर में सफाई व्यवस्था का अभियान तेजी से चलाया जाए, ताकि स्वच्छता की पहचान इंदौर में सडक़ें कचरे से पटी न नजर आएं। स्वास्थ्य विभाग के मुख्य अधिकारी डॉ. अखिलेश उपाध्याय के मुताबिक कल शाम 4 बजे से सराफा, राजबाड़ा, गोराकुंड, खजूरी बाजार, एमजी रोड, पलासिया, गीता भवन, रीगल से लेकर और कई अन्य प्रमुख मार्गों पर यह अभियान चलाया गया। इस दौरान सफाई टीमों के साथ दो-दो डंपर भी थे, जिनमें सडक़ों पर फैला कचरा समेटकर भरा जा रहा था। यह अभियान प्रमुख मार्गों पर रात 8 बजे तक चलता रहा। उसके बाद वार्डों की गलियों में यह अभियान चलाया गया, जो रात 11 बजे तक जारी रहा। उनके मुताबिक आज सुबह से फिर कई गली-मोहल्लों में शेष बचे स्थानों पर सफाई के लिए अभियान शुरू किया गया है। रंगपंचमी पर निकलने वाली गेरों के दौरान भी इसी प्रकार की व्यवस्था का प्लान तैयार किया गया है। गेर निकलने के एक घंटे बाद ही सफाई मित्रों की टीम सडक़ों पर आ डटेगी।

आयुक्त ने स्वयं ड्रिंकिंग वॉटर कूलर का पानी पीकर किया चेक

आयुक्त द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन, राजस्व व शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग का निरीक्षण

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित जन्म-मृत्यू विवाह पंजीयन एवं शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग का निरीक्षण किया गया। आयुक्त वर्मा द्वारा सर्वप्रथम निगम मुख्यालय स्थित राजस्व विभाग का निरीक्षण किया गया, राजस्व विभाग में करदाताओं द्वारा कर जमा करने व अन्य कार्यों से आने पर नागरिकों की सुविधा का ध्यान रखते हुए, पेयजल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, ग्रीष्मकाल में अनिवार्य रूप से वेटिंग क्षेत्र में पंखे लगाने के निर्देश दिये गये। साथ ही कार्यालय में शौचालय की सफाई, पर्याप्त पानी की व्यवस्था हो, ताकि नागरिको को उपयोग करने में कोई कठिनाई न हो। इसके साथ ही आयुक्त द्वारा राजस्व विभाग एवं जन्म-मृत्यू विवाह पंजीयन कार्यालय में जाने वाले मार्ग में में दिव्यांगों के लिये बनाये रैम्प आसानी से दिख सके, इस हेतु रास्ते क्लीयर करने एवं रैम्प का सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान विभाग में पड़े वॉटर कूलर को सफाई कराकर, पुनः चालु करने के संबंध में राजस्व विभाग अधीक्षक देवेन्द्र शर्मा एवं विवाह पंजीयन शाखा अधीक्षक मुकेश यादव को निर्देशित किया गया। साथ ही आयुक्त ने यह भी निर्देश दिये गये कि निरीक्षण के दौरान बताये गये सभी कार्य आज ही पूर्ण कर लिये जावे, कार्य नही करने की स्थिति में उपरोक्त दोनों अधीक्षकों को शोकॉज नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिये गये।

नागरिक घर बैठे इंदौर 311 एप के माध्यम से करें आवेदन और पाए बेहतर सुविधा- आयुक्त

इसके पश्चात आयुक्त वर्मा द्वारा जन्म-मृत्यू विवाह पंजीयन शाखा का निरीक्षण किया गया, यहां पर उपस्थित नागरिकों से आवेदन के संबंध में जानकारी ली गई, इस मौके पर उपस्थित कर्मचारियों से पंजीयन के तहत आने वाले आवेदन के संबंध में जानकारी लेते हुए, प्रकरणों के निराकरण के संबंध में भी रजिस्टर का अवलोकन किया गया। आयुक्त वर्मा ने कहा कि घर बैठे ही नागरिकों को निगम की बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो, इसके लिये नागरिकों से ऑनलाइन इंदौर 311 एप के माध्यम से ही जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीयन के लिये आवेदन कर सकते है, इस संबंध में आयुक्त वर्मा द्वारा नागरिकों से अपील की गई, ताकि घर बैठे ही इंदौर 311 एप के माध्यम से निगम की सुविधाएं प्राप्त की जा सके। इसके साथ ही आयुक्त वर्मा द्वारा राजस्व एवं जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीयन विभाग के बाहर रखे वॉटर कूलर को चालू करने व पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित व नागरिको को कार्यालय में आसानी से आने-जाने के लिए जगह उपलब्ध हो, इस हेतु रास्ता क्लीयर करने के भी निर्देश दिये गये, आने-जाने वाले रास्ते को पाइप के माध्यम से कवर करने के निर्देश दिये गये, कि जिससे की आने-जाने मार्ग पर वाहन न खडे रहे।

नागरिकों की सुविधा के लिये वॉटर कूलर, बैठक व्यवस्था बेहतर बनाने के दिये निर्देश

आयुक्त वर्मा द्वारा शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग भी निरीक्षण किया गया। आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान विभाग के स्टाफ से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए, कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। आयुक्त द्वारा विभाग के निरीक्षण के दौरान विभाग में लगे ड्रिंकिंग वॉटर कूलर का पानी अंजूली में लेकर स्वयं पीया। इसके साथ ही विभाग में आने वाले नागरिकों के लिये वेटिंग रूम की व्यवस्था करने, सुविधाघर में आईना लगाने व पर्याप्त लाईट लगाने के निर्देश दिये गये।

देवदूत बनी इंदौर की यातायात पुलिस

इंदौर। होली पर्व के दौरान यातायात पुलिस पूरे इंदौर में अलर्ट मोड पर रही। इस दौरान कई जगह हुए हादसों में घायलों को पुलिस ने एमवाय अस्पताल पहुंचाया। इसके अलावा कुछ लोगों की इमरजेंसी स्थिति में मदद भी की। होली पर सुगम यातायात के उद्देश्य से डीसीपी यातायात अरविंद तिवारी ने पुलिस बल की ड्यूटी तय कर दी थी। चौराहों, बाजारों, चेकिंग पाइंट आदि पर पुलिस ने हुड़दंगियों पर नजर रखने के साथ जरूरतमंदों की मदद भी की। सोमवार को सुबह रेडिसन चौराहे पर बाइक पर सवार मां-बेटे को एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने टक्कर मार दी। यातायात प्रबंधन का कार्य देख रहे सूबेदार अमित यादव, प्रधान आरक्षक जितेंद्र यादव, भावना, निकिता ने तत्काल मां-बेटे को उठाया। बेटे जितेंद्र को सामान्य चोट थीं, वहीं मां सुशीला के बाएं पैर की हड्डी टूट गई थी। पुलिस बल ने तुरंत एक आटो में बैठाकर एमवाय अस्पताल भेजा। दोनों का इलाज शुरू करवाकर परिजनों को सूचित किया गया। आर्थिक तंगी के चलते पुलिस ने इलाज का खर्च भी उठाया। दूसरी घटना में शाम को पलासिया चौराहे पर गीता भवन की ओर से आ रही एक कार के बोनट में से अचानक धुंआ निकलने लगा। ड्यूटी पर तैनात निरीक्षक सीमा भण्डारी ने स्टाफ की मदद से तत्काल कार पर पानी डलवाकर उसमें बैठे बुजुर्ग पति-पत्नी को बाहर निकाला। तीसरी घटना व्हाइट चर्च चौराहे पर शाम 6 बजे की है। इसमे दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को उपनिरीक्षक देवकरण मालवीय व अन्य ने तुरन्त एमवाय अस्पताल में प्राइवेट वाहन से स्वयं जाकर अस्पताल में भर्ती कराया। चौथी घटना, रोबोट चौराहे की है। यहां सूबेदार ब्रजराज अजनार ड्यूटी पर तैनात थे। उनके पास एक बुजुर्ग महिला रोते हुए आई जिसके सिर से खून बह रहा था।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 27 मार्च , 2024

संपादकीय | भारत ने विश्व को युद्ध नहीं बुद्ध दिया...

हमारा देश भारत मूलतः एक आध्यात्मिक देश है। कुछ विदेशी ताकतों ने हमारी आध्यात्मिकता को हमारी कमजोरी समझ लिया और हमलों के द्वारा यहां सत्तासीन होने का प्रयास किया। ऐसे प्रयासों के विरुद्ध हमारे देश की युवा शक्ति ने जब इन विदेशी ताकतों के विरुद्ध मोर्चे बांधे तो इसी युवा शक्ति को हमारे देश की जनता ने महान धार्मिक नेतृत्व के रूप में स्वीकार किया। विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध सामान्य जनता में जागृति पैदा करने का कार्य मुख्य रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं के हाथ ही में रहा। इस्लामी आक्रांताओं के विरुद्ध श्री गुरुनानक देव जी से लेकर गुरु गोबिन्द सिंह जी तक सभी गुरुओं ने आध्यात्मिक मुक्ति के लिए वैचारिक मुक्ति को आवश्यक बताया। उन्होंने तो सवा लाख से एक लड़ाऊं का नारा बुलंद करके एक-एक योद्धा में भारी ताकत का संचार ही कर दिखाया।

मुगलों ने हमारे गुरुओं पर जितने भी जुल्म किए उन सबसे हमारे गुरुओं की आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती ही रही। जिसके परिणामस्वरूप हमारे युवाओं में भी जोश पैदा होता रहा और हर मोर्चे पर सफलताएं मिलती रहीं। अपनी मूल आध्यात्मिक संस्कृति की रक्षा के लिए प्रेरणा का काम आध्यात्मिक पुरुष करते हैं और क्षेत्र में योद्धा बनकर कार्य करने की जिम्मेदारी युवा शक्ति पर होती है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने भी ऐसी ही प्रेरणा नाना साहब, लक्ष्मीबाई आदि को दी तो ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता का बिगुल बज गया। इस स्वतंत्रता आंदोलन में लाला लाजपत राय, चन्द्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे लोगों ने जब अपनी आहुतियां दीं तो देश की जनता ने उन्हें भी वैसा ही सम्मान दिया जैसा धार्मिक नेताओं को दिया जाता है।

विगत 10 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी सारे देश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार करने का जो बीड़ा उठाया-वह विचार और जोश भारत के किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री के मन में नहीं उठा। नरेन्द्र मोदी जी ने सबसे पहले वर्ष 2019 में गुरु नानकदेव जी की जन्मस्थली, करतारपुर साहब गुरुद्वारे तक पहुंचने के लिए मार्ग प्रशस्त किया। लगभग 400 वर्ष पूर्व गुरु गोड्क्षबन्द सिंह जी के साहिबजादों जोरावर सिंह जी तथा फतेह सिंह जी की शहादत वाले दिन 26 दिसम्बर को 'वीर बाल दिवस' घोषित किया तो उनके इस प्रयास से सारे देश के बच्चों में राष्ट रक्षा की भावनाएं उजागर हो गईं। इस के साथ-साथ उन बाल शहीदों के विस्मृत होते जा रहे इतिहास को फिर से जीवंत कर दिया।

पंजाब के दो साहिबजादों के विस्मृत पड़े हुए इतिहास को एक बार फिर सारे संसार के सामने सुर्खियां प्राप्त हो गईं। धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए भी उन्होंने अनेकों ऐसे प्रयास किए जो किसी सामान्य राजनेता के मन में पैदा ही नहीं हो सकते थे।

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में एक प्राचीन लखपत साहब गुरुद्वारा भूकम्प में क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले से भी जोरदार सुंदरता प्रदान करने के प्रयास कर दिखाए। 500 वर्षों से श्री राम मंदिर का मामला लचर सरकारी और न्यायिक प्रक्रियाओं का शिकार होता रहा। नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर यह कार्य सम्पन्न हो सका और अयोध्या का राम मंदिर आज सारी दुनिया में आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

काशी विश्वनाथ हो या इंदौर, उज्जैन के मंदिर, मोदी जी ने भारत के अनेकों धर्मस्थलों की सुन्दरता पर विशेष ध्यान दिया है। वे जब भी किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होते हैं तो उनकी वाणी में राजनेता की भावना नहीं अपितु एक अध्यात्मवेत्ता की भावना दिखाई देती है। उनकी वाणी ही क्या उनके शरीर की भाषा भी उनके अंदर एक आध्यात्मिक शक्ति का दर्शन प्रस्तुत करती है। हाल ही में भारत को जब जी-20 देशों का नेतृत्व प्राप्त हुआ तो सारा विश्व वर्ष भर की इन अंतर्राष्ट्रीय बैठकों को बड़े विस्मय से देख रहा था कि किस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर के औपचारिक विषयों के साथ-साथ भारत के हर प्रांत की संस्कृति और धार्मिक परम्पराओं को उजागर किया जा रहा था।

उत्तराखंड की बैठक के साथ ऋषिकेश की गंगा आरती उजागर की गई तो पंजाब की बैठक अमृतसर में आयोजित करके स्वर्ण मंदिर के प्रति विदेशियों में आकर्षण पैदा करने का कार्य किया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ में भी वे भारतीय संस्कृति को प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि भारत ने विश्व को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है। विगत 10 वर्षों में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की छवि सारे संसार में एक आध्यात्मिक राष्ट्र के रूप में पुनः स्थापित हो पाई है।

सोशल मीडिया से...

भारत ने आज तक दुनिया के किसी देश पर न आक्रमण किया, न किसी की एक इंच जमीन पर कब्जा किया। ये हमारा चरित्र है। मैं यह भी कहता हूं कि पीओके हमारा था और हमारा है। मेरा विश्वास है कि पीओके खुद ही भारत में आ जाएगा।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

मंत्रियों के बच्चों और रिश्तेदारों को टिकट देना %वंशवाद की राजनीति% नहीं है। हमने उन लोगों को टिकट दिए, जिनकी सिफारिश क्षेत्र के लोगों ने की थी। यह वंशवादी राजनीति नहीं, बल्कि जनता की सिफारिश को स्वीकार करना है।

सिद्धारमैया, मुख्यमंत्री कर्नाटक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, लेकिन पूरा नहीं किया। उनके जो युवा समर्थक और स्टूडेंट्स मोदी-मोदी चिल्लाते हैं, उन्हें थप्पड़ मारना चाहिए।

शिवराज एस तंगदागी
कर्नाटक के संस्कृति मंत्री

मंडी मेरी जन्मभूमि है और मेरी जन्मभूमि ने मुझे वापस बुलाया है। मंडी बड़ा चुनाव क्षेत्र है और हम बड़ा कैंपेन करेंगे। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे कर्मों और उनके परिश्रम से चुनाव से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे परिवार के लिए भावनात्मक है। मैं भाव-विभोर हूं।

कंगना रनौत, भाजपा प्रत्याशी, मंडी हिप्र

आज का कार्टून

केजरीवाल की गिरफ्तारी से संकट में आम आदमी पार्टी?

संजय तिवारी

पहले सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अब खुद अरविन्द केजरीवाल। आम आदमी पार्टी की पूरी ए टीम एक ही घोटाले में जेल पहुंच गयी है जिसे शराब घोटाला कहा जा रहा है। इन सभी पर दिल्ली की आबकारी नीति में बदलाव करके राजकोष को 2873 करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। ईडी का कहना है कि दिल्ली की सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह सब इसलिए किया क्योंकि शराब माफियाओं द्वारा कथित तौर पर उन्हें 100 करोड़ रूपये की घूस दी गयी थी। बदले में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गर्भ से पैदा हुई पार्टी ने 2021-22 में दिल्ली में वैसी ही शराब नीति बना दी जैसी शराब माफिया चाहते थे। मसलन, दिल्ली में शराब सरकारी दुकानों से बिकने के बजाय निजी दुकानों से बिके। शराब कंपनियों को मनमानी शराब की दुकानें खोलने दिया जाए। रात 12 की बजाय भोर में 3 बजे तक शराब की दुकानें खुलें। पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल कर दी गयी। अभी तक रिहाइशी इलाकों में शराब की दुकाने नहीं खुल सकती थीं लेकिन नयी नीति आ जाने के बाद निजी कंपनियां गली मोहल्लों में भी शराब की दुकान खोल सकती थीं।

स्वाभाविक है ऐसा हो जाने पर दिल्ली में शराब की बिक्री में रिकार्डतोड़ वृद्धि होती। सालाना 7 हजार करोड़ की शराब पीनेवाले दिल्लीवासी संभव है इससे खुश ही होते लेकिन समस्या यह हुई कि ऐसा करते हुए सरकारी राजस्व से समझौता किया गया। नीति ऐसी बनायी गयी कि शराब की बिक्री बढ़ने से शराब माफिया तो फायदे में रहते लेकिन सरकारी राजस्व आधे से भी कम हो जाता। यही वह तकनीकी पक्ष था जहां से केजरीवाल सरकार की नीति आशंकाओं के घेरे में घिरी और लगभग पूरी सरकार ही शराब घोटाले में जेल के अंदर चली गयी।

तकनीकी और कानूनी पक्ष अपनी जगह लेकिन केजरीवाल की शराब नीति ने उस पार्टी के सामने बहुत बड़ा नैतिक प्रश्न भी खड़ा किया था जो अन्ना हजारे के आंदोलन से पैदा हुई थी। महाराष्ट्र के अन्ना हजारे पहली बार चर्चा में आये ही इसलिए थे क्योंकि उन्होंने अपने गांव रालेगढ सिद्धी में संपूर्ण शराबबंदी लागू कर दी थी। अन्ना हजारे ने उसी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के मंच से यह बात दोहराई भी थी कि उनके गांव में हर कोई शराब पीता था। जब वो गांव लौटे तो उन्हें लगा कि बिना शराबबंदी के इस गांव का उद्धार नहीं हो सकता क्योंकि हर नौजवान तो शराब पीने में मस्त है। इसलिए उन्होंने गांव में सबसे पहले सफलतापूर्वक शराबबंदी की, उसके बाद गांव में समाज सुधार का काम किया।

स्वंय अरविन्द केजरीवाल भी शराब और नशाखोरी के खिलाफ ही बोलते रहे हैं। जिन दिनों वो परिवर्तन एनजीओ के जरिए झुग्गी बस्तियों में काम करते थे, वो शराब और नशाखोरी के खिलाफ भी आवाज उठाते थे। इसके बावजूद उनकी सरकार में शराब की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए काम किया गया और उसके एवज में तथाकथित डील की गई, यह जितना बड़ा कानूनी प्रश्न है उससे बड़ा नैतिक और राजनैतिक प्रश्न है कि आखिर उन्होंने ऐसा किया तो क्यों किया

सत्ता में आने के बाद गांधी की समाधि राजघाट का रास्ता भूल चुके अरविन्द केजरीवाल इस सवाल का जवाब तो शायद तब देंगे जब उन्हें फिर कभी गांधी की नैतिकता याद आयेगी। लेकिन बीते एक दशक के उनके आंदोलन और राजनीतिक सफर में यमुना में इतना पानी सड़ चुका है कि उस केजरीवाल को पहचान पाना ही मुश्किल है जो जन आंदोलन के ज्वार पर चढ़कर दिल्ली की सत्ता तक पहुंचा था।

इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक सफलता में अरविन्द केजरीवाल के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने बड़ी भूमिका निभाई। अन्ना आंदोलन ने कांग्रेस के खिलाफ जो माहौल बनाया था उसको दिल्ली तक सिमटे केजरीवाल भुना नहीं सकते थे, क्योंकि उनके पास कोई सांगठनिक ढांचा ही नहीं था। यह काम किया नरेन्द्र मोदी ने और 2013 में देशभर में रैलियां करके अपने आपको विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर दिया। लेकिन राजनीति की नियति ही कहा जाएगा कि आज वही नरेन्द्र मोदी सरकार अरविन्द केजरीवाल के भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई करके उनके अस्तित्व के लिए ही राजनीतिक संकट पैदा कर रही है।

अरविन्द केजरीवाल की राजनीति की खेती अभी कच्ची है। भले ही उनकी पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दे दिया गया है लेकिन आम आदमी पार्टी अरविन्द केजरीवाल से शुरु होकर अरविन्द केजरीवाल पर ही खत्म हो जाती है। जो भविष्य के नेता हो सकते थे, उनसे या तो अरविन्द केजरीवाल ने पीछा छुड़ा लिया या फिर वो खुद अरविन्द केजरीवाल को छोड़कर चले गये। जो बचे रह गये उनमें से अधिकांश जेल पहुंच गये हैं। इसलिए इस समय ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ ही आम आदमी पार्टी के सामने नेतृत्व का संकट पैदा हो गया है। कई सवाल पैदा हो गये हैं जिनका जवाब पार्टी को तत्काल खोजना होगा। केजरीवाल खेमे से यह जरूर कहा जा रहा है कि वो जेल से ही सरकार चलायेंगे लेकिन यह संभव नहीं होगा। जब लालू यादव जैसे घाघ नेता को भी चारा घोटाले में फंसने के बाद पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाना पड़ गया था तब अरविन्द केजरीवाल अगर जेल से सरकार चलाते भी हैं तो यह भी एक नया रिकार्ड बनाने जैसा होगा।

इस बीच संभावना इस बात की भी पैदा हो सकती है कि जो जेल नहीं गये वो नेतृत्व लेने का प्रयास करें। आम आदमी पार्टी किसी लंबे संघर्ष से निकली जमी जमाई पार्टी नहीं है। इसलिए उसमें टूट की संभावना पैदा हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह भी हो सकता है कि पत्नी सुनीता के मना करने के बाद वो किसी विश्वासपात्र को कुर्सी सौंप दें। हालांकि जैसा अब तक केजरीवाल की कार्यशैली रही है उसे देखकर लगता नहीं कि वो ऐसा करने में बहुत उत्सुक होंगे। कानूनन अगर वो जेल में रहकर दिल्ली सरकार चला सकते हैं तो वही करेंगे।

लेकिन गिरफ्तारी के दौरान सिर्फ दिल्ली सरकार चला लेना ही एकमात्र उपलब्धि नहीं होगी। ईडी की गिरफ्त में अगर वो लंबे समय रहते हैं तो दिल्ली विधानसभा में संकट पैदा होगा। मुख्यमंत्री विधानसभा का लीडर होता है। अगर विधानसभा का लीडर ही जेल में बैठा रहे तो विधायी कार्य भला कैसे संपन्न होंगे

केजरीवाल की गिरफ्तारी से संकट सिर्फ दिल्ली सरकार पर ही नहीं बल्कि समूची आम आदमी पार्टी पर आ गया है। लोकसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है और अरविन्द केजरीवाल इंडिया एलायंस का हिस्सा बन चुके थे। दिल्ली में उन्होंने उसी कांग्रेस के साथ चुनावी तालमेल भी कर लिया था जिसके खिलाफ आंदोलन से उनकी पार्टी का जन्म हुआ था। आज भले ही कांग्रेसी नेता केजरीवाल के समर्थन में बयान दे रहे हैं लेकिन इस गिरफ्तारी का सबसे अधिक लाभ कांग्रेस ही उठाने की कोशिश करेगी? अंदर रहें या बाहर... केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता का पहला बयान, दिल्ली वालों से कही ये बातअंदर रहें या बाहर... केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता का पहला बयान, दिल्ली वालों से कही ये बात कांग्रेस के लिए दिल्ली में केजरीवाल वो बाधा थे जिसके दूर हो जाने पर उनके लिए मैदान साफ हो जाता है। अरविन्द केजरीवाल विहीन आम आदमी पार्टी का आम चुनाव में कुछ खास हासिल करना मुश्किल ही है। अब अगर आम आदमी पार्टी आम चुनाव से दूर होती है तो बहुत संभावना है कि दिल्ली की सभी सातों सीटों पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारकर अपनी खोई जमीन वापस पाने का प्रयास करे। कांग्रेस का यही प्रयास पंजाब में भी होगा। जो आम आदमी पार्टी के नेता या कार्यकर्ता हैं उनका वैसा मजबूत सांगठनिक ढांचा नहीं है कि नेता के कुछ महीने दूर होने पर भी वो पार्टी को चला लें। मनीष सिसोदिया अगर बाहर होते तो शायद एक संभावना बचती लेकिन वो पहले से ही अंदर हैं। ऐसे में आप के आम आदमी अगर कहीं और ठौर तलाशने निकल जाएं तो भी कोई आश्चर्य नहीं होगा। याद रखिए जनता दल बिखरा था तो उसमें से छोटे छोटे दल निकले थे। आम आदमी पार्टी बिखरी तो उसमें सिर्फ आदमी निकलेंगे जो अपनी सुविधानुसार कहीं और अपना ठिकाना तलाश लेंगे।

फिलहाल जिस तरह से पहले हाईकोर्ट ने ईडी की जांच पर रोक लगाने से इंकार किया और अब खुद केजरीवाल के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले लिया है, उससे इतना तो तय है कि यह गिरफ्तारी प्रकरण लंबा खिंचेगा। इसलिए अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी का देश समाज पर कोई असर हो न हो, आम आदमी पार्टी के अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होनेवाला है। यह भी संभव है कि जब यह राजनीतिक बवंडर खत्म हो तब पता चले कि जो अंधड़ आया था वह अपने साथ उस पार्टी को ही उड़ाकर ले गया जो संयोग से एक दशक पहले आंदोलन की आंधी से ही पैदा हुई थी।

सी-विजिल एप पर कोई भी नागरिक कर सकते है आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत

इंदौर। चुनावी प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के मामलों की ऑनलाइन शिकायत के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा खास तौर पर तैयार किए गए सी-विजिल सिटीजन एप पर कोई भी व्यक्ति यदि उसे कहीं आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला नजर आता है तो अपने मोबाइल से फोटो या वीडियो कैप्चर कर इसकी शिकायत कर सकते है। सी-विजिल एप को गूगल प्ले स्टोर से मोबाइल पर डाउनलोड किया जा सकेगा। इस ऐप का इस्तेमाल करने के लिए शिकायतकर्ता के मोबाइल पर जीपीएस और इंटरनेट चालू होना आवश्यक है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की ऑनलाइन शिकायतें इस एप के माध्यम से ही फोटो या वीडियो कैप्चर कर की जा सकती है। वीडियो दो मिनट से अधिक का नहीं होना चाहिए। इससे अधिक अवधि का वीडियो ऐप पर अपलोड नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही जिस मोबाइल से फोटो या वीडियो कैप्चर किये गये हैं शिकायत केवल उसी से की जा सकेगी। किसी दूसरे मोबाइल या कैमरे की फोटो या वीडियो अथवा पहले से स्टोर फोटो या वीडियो इस एप पर अपलोड नहीं होगी। फोटो या वीडियो के साथ शिकायतकर्ता संक्षिप्त में प्रकरण के बारे में जानकारी भी दे सकते है। सी-विजिल एप पर शिकायत भेजते ही शिकायतकर्ता को यूनिक आईडी प्राप्त होगी जिसके माध्यम से वह अपने मोबाइल पर शिकायत को ट्रैक कर सकेंगे और उसकी अद्यतन स्थिति जान सकेगें। मोबाइल पर जीपीएस चालू होने के कारण शिकायतकर्ता जैसे ही अपनी शिकायत एप पर अपलोड करेगा वो स्थल की लोकेशन सहित तत्काल जिला निर्वाचन कार्यालय के सम्पर्क केन्द्र के पास पहुंच जायेगी। जिला निर्वाचन कार्यालय के सम्पर्क केन्द्र में शिकायतों की मॉनिटरिंग के लिए बैठी विशेष टीम फोटो या वीडियो की लोकेशन के आधार पर संबंधित क्षेत्र की फ्लाइंग स्क्वाड टीम या एसएसटी को मौके पर पहुंचने के निर्देश देगी। फ्लाइंग स्क्वाड दल भी मौके पर पहुंचकर शिकायत के बारे में तहकीकात करेगा और स्थल का वीडियो बनाकर सी-विजिल इन्वेस्टीगेटर एप पर सीधे सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को रिपोर्ट करेगा। यदि शिकायत सही पाई जाती है तो रिटर्निंग अधिकारी को इसे आगे की कार्यवाही के लिए निर्वाचन आयोग को भेजना होगी। सी-विजिल एप की खास विशेषता यह होगी कि इसके माध्यम से कोई भी नागरिक चुनावों के दौरान आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायत इसके माध्यम से कर सकता है। शिकायतकर्ता को यह सावधानी बरतनी होगी कि मोबाइल से फोटो या वीडियो कैप्चर करने के पांच मिनट के भीतर ही उसे अपनी शिकायत भेजनी होगी।

जिला निर्वाचन कार्यालय को भी शिकायत मिलते ही उस पर तुरंत एक्शन लेना होगा और प्राप्त शिकायत को पांच मिनट के भीतर संबंधित क्षेत्र की फ्लाइंग स्क्वाड टीम को प्रेषित करना होगा तथा जांच के लिए मौके पर भेजना होगा। फ्लाइंग स्क्वाड टीम को सौ मिनट के भीतर शिकायत का कंप्लायंस देना जरूरी होगा अन्यथा ये शिकायत सीधे निर्वाचन आयोग को स्वत-ट्रांसफर हो जायेगी। आयोग द्वारा समय पर शिकायत पर कार्यवाही न करने के लिए संबंधित फ्लाइंग स्क्वाड टीम से स्पष्टीकरण भी मांगा जा सकता है। सी-विजिल की एक विशेषता यह भी है कि नागरिकों द्वारा इस पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की गुमनाम शिकायत भी की जा सकेगी। गुमनाम शिकायत करने के विकल्प को अपनाने की स्थिति में शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर एवं प्रोफाइल विवरण सिस्टम को नहीं भेजा जा सकेगा। इस वजह से शिकायतकर्ता को यूनिक आईडी प्राप्त नहीं होगी और वह अपनी शिकायत को ट्रैक नहीं कर सकेगा और उसकी अद्यतन स्थिति भी नहीं जान सकेगा। हालांकि नागरिकों के पास संबंधित रिटर्निंग अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से ऐसी शिकायतों पर की गई कार्यवाही के संबंध में सूचना का विकल्प होगा। सी-विजिल एप पर की गई शिकायत में इस्तेमाल वीडियो और फोटो को मोबाइल या गैलरी में सेव नहीं किया जा सकेगा। सी- विजिल एप केवल उन्हीं राज्य या क्षेत्र की भौगोलिक सीमा में कार्य करेगा जहां चुनाव हो रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि सी-विजिल एप पर नागरिक केवल आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन सम्बन्धी शिकायतें ही कर सकेंगे। व्यक्तिगत शिकायतें इस एप पर नही की जानी चाहिए। सी-विजिल के दुरूपयोग को रोकने के लिए आयोग ने इस एप पर कुछ और फीचर्स भी डाले हैं। एक ही शिकायत की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए आयोग ने एप में व्यवस्था की है कि यह एक ही व्यक्ति द्वारा की जाने वाली एक के बाद एक लगातार शिकायतों के बीच पांच मिनट का अंतराल हो। इसके अलावा जिला निर्वाचन कार्यालय को एक ही जैसी शिकायतों, बनावटी या ओछी शिकायतों अथवा ऐसी शिकायतों को जो आचार संहिता के उल्लंघन से सम्बन्धित न हों उन्हें दर्ज नहीं किए जाने की अनुमति भी दी है।

संक्षिप्त समाचार

बोइंग का सख्त फैसला, सीईओ समेत टॉप मैनेजमेंट को दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। संकट में फंसी दुनिया की दिग्गज विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने आखिरकार कड़ा फैसला लेते हुए अपने सीईओ डेव केलहुन समेत टॉप मैनेजमेंट को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। डेव केलहुन इस साल के आखिर तक कंपनी छोड़ देंगे। इसके अलावा कॉमर्शियल एयरलाइन्स डिवीजन के हेड रिटायर हो जाएंगे और चेयरमैन दोबारा से अपना पद नहीं संभालेंगे। पिछले कुछ समय में बोइंग के विमानों के साथ ऐसे गंभीर हादसे हुए कि कंपनी को आखिरकार टॉप मैनेजमेंट पर गाज गिरानी पड़ी। हाल ही में बोइंग 737 मैक्स विमान का दरवाजा टेक ऑफ के थोड़ी देर बाद ही हवा में फट गया था। हालांकि, चालक दल की सूझबूझ से हादसा टल गया था और किसी को गंभीर चोट नहीं आई थी। डेव केलहुन ने सीईओ का पद 2020 में संभाला था। उनसे पहले सीईओ रहे डेनिस मुलेनबर्ग को भी ऐसे ही स्कैंडल में फंसकर अपना पद गंवाना पड़ा था। उस समय 2 नए 737 मैक्स 5 महीनों के अंतराल में एक जैसे हादसे का शिकार हुए थे। इसमें 346 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद डेनिस मुलेनबर्ग ने इस्तीफा दे दिया था। डेव केलहुन ने सीईओ का पद संभालते हुए कहा था कि उनकी पहली प्राथमिकता सुरक्षा उपायों को मजबूत करना रहेगी। मगर, कुछ दिनों पहले हुए हादसे से बोइंग पर सवालिया निशान खड़े हो गए थे। कंपनी ने सभी 737 मैक्स को अगले आदेश तक उड़ान भरने की रोक लगा दी थी। इसके अलावा सभी विमानों की सुरक्षा जांच का आदेश भी दिया गया था। अमेरिकी सरकार ने भी बोइंग के खिलाफ जांच शुरू की थी। इस ताजा दुर्घटना ने कंपनी के सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं सेफ्टी कंट्रोल पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डीएवीवी के नालंदा परिसर में आगजनी की घटना के बाद विवि प्रशासन की बढ़ी चिंता

-रजिस्ट्रार ने कलेक्टर सिंह को सौंपा पत्र

-दुकानों को हटाने को लेकर कवायद शुरू

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के नालंदा परिसर की बाउंड्रीवाल से लगी दुकानों को हटाने को लेकर कवायद शुरू हो चुकी है। इस संबंध में रजिस्ट्रार ने कलेक्टर आशीष सिंह से मुलाकात कर पत्र सौंपा है। बीते दिनों दुकानों में आग लगी थी, जो विश्वविद्यालय के मुद्रणालय तक पहुंच गई थी। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की चिंताएं बढ़ गई है। अब प्रशासन को इन दुकान को अन्य स्थानों पर शिफ्ट करना होगा। अधिकारियों का तर्क है कि दुकानों में आए दिन शार्ट सर्किट से आग लगती है। इससे विश्वविद्यालय का मुद्रणालय के पास ही कई बार दुकानों में आग लग चुकी है। वहां फायर बिग्रेड भी नहीं पहुंच सकती है। ऐसे में विश्वविद्यालय को काफी नुकसान हो सकता है। विश्वविद्यालय के नालंदा परिसर से करीब 60 दुकानें लगी है। यहां गैरेज, टेक्वल्स व फेब्रिकेशन का काम होता है। दो महीने में दो से तीन बार लग चुकी है आग बीते दो महीने में दो से तीन बार आग लग चुकी है, जो विश्वविद्यालय परिसर तक पहुंची है। दुकानों की वजह से आग लगाने का अंदेशा बना रहता है। वैसे भी परिसर में आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड के वाहन को आने की जगह नहीं है। ऐसे में विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में वाहन को पहुंचने के लिए रास्ता बनाने का विचार किया है। इस संबंध में कुछ दिन पहले अधिकारियों की बैठक हुई थी। अब परिसर में नई दीवार बनाई जाएगी। इसके लिए यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा होना है। अप्रैल पहले सप्ताह में बैठक रखी है। रजिस्ट्रार अजय वर्मा का कहना है कि दुकानों में आए दिन आग लगती है, जो फैलकर विश्वविद्यालय परिसर तक पहुंच जाती है। वे बताते है कि बाउंड्रीवाल के पास विश्वविद्यालय का मुद्रणालय है। यहां पेपर छपाई से लेकर उत्तर पुस्तिका रखी है। आगजनी की घटना से विश्वविद्यालय को नुकसान हो सकता है।

मुंबई पहली बार बनी एशिया की अरबपति राजधानी, बीजिंग को पछाड़ा

मुंबई, एजेंसी। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। मुंबई ने पहली बार चीन की राजधानी बीजिंग को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है। एक लेटेस्ट आंकड़े आने के बाद यह बात सामने आई है। मुंबई के 603 वर्ग किलोमीटर में अब बीजिंग के 16,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा अरबपति रहते हैं। हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट के मुताबिक, जहां चीन में भारत के 271 के मुकाबले 814 अरबपति हैं, वहीं मुंबई में बीजिंग में 91 के मुकाबले 92 अरबपति हैं। मुंबई अब न्यूयॉर्क के बाद अरबपतियों के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने 119 अरबपतियों के साथ सात साल बाद अपना टॉप पोजिशन हासिल किया है, इसके बाद 97 अरबपतियों के साथ लंदन है।

मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति

खबर के मुताबिक, मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति 445 अरब डॉलर है, जो पिछले साल से 47त्न ज्यादा है, जबकि बीजिंग की कुल अरबपतियों की संपत्ति 265 अरब डॉलर है, जो 28 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। मुंबई के धनवान सेक्टर्स में ऊर्जा और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जिससे मुकेश अंबानी जैसे अरबपति जुड़े हैं।

26 नए अरबपतियों के जुड़ने से मुंबई निकला आगे

मुंबई एक साल में 26 नए अरबपतियों के जुड़ने के चलते चीन की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी बीजिंग से आगे निकलने में कामयाब रही है। इसी समय, बीजिंग में शुद्ध आधार पर 18 पूर्व अरबपतियों को सूची से बाहर होते देखा गया है। दुनिया में अमीरों की सूची में भारतीय अरबपतियों की ग्लोबल रैंकिंग में मामूली गिरावट देखी गई है। मुकेश अंबानी ने संपत्ति में पर्याप्त वृद्धि के साथ 10वें स्थान को बनाए रखा है। इसी तरह, गौतम अडानी की संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी ने उन्हें ग्लोबल लेवल पर आठ पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंचा दिया।

इन भारतीय अरबपतियों का भी जलवा

एचसीएल के शिव नादर और उनके परिवार ने संपत्ति और वैश्विक रैंकिंग दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी (16 स्थान ऊपर 34 पर)। इसके अलावा, सीरम इंस्टीट्यूट के साइरस एस पूनावाला की कुल संपत्ति 82 बिलियन डॉलर के साथ मामूली गिरावट (9 पायदान गिरकर 55वें स्थान) पर रही। सन फार्मास्यूटिकल्स के दिलीप सांघवी (61वें स्थान) और कुमार मंगलम बिड़ला (100वें) का भी योगदान है। डीमार्ट की सफलता से प्रेरित राधाकिशन दमानी की संपत्ति में मामूली लेकिन स्थिर वृद्धि ने उन्हें आठ पायदान ऊपर 100वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

2018 से 2024 के बीच अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि नहीं हुई आवंटित

इंदौर। केंद्रीय व प्रदेश स्तर पर मिलने वाली छात्रवृत्ति योजना को लेकर स्थिति ठीक नहीं है। बजट के अभाव में हजारों की संख्या में विद्यार्थियों को राशि आवंटित होना बाकी है, जबकि ऐसे भी सैकड़ों छात्र-छात्राएं जिन्हें छात्रवृत्ति की कुछ प्रतिशत राशि का इंतजार है। इस वजह से शैक्षणिक संस्थानों में इन विद्यार्थियों की फीस जमा नहीं हुई है। इनमें अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की संख्या सबसे ज्यादा है। अब संस्थानों ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है। हालांकि अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों की सूची बनाने में लगा है, जिन्हें आवेदन करने के बावजूद छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिला है। अधिकारियों के मुताबिक, तीन दिन के भीतर विद्यार्थियों को अपनी जानकारी देना है।गांव की बेटी, मेधावी, एसटी-एससी और ओबीसी सहित विभिन्न छात्रवृत्ति योजना है। पिछले कुछ सालों में प्रदेश सरकार से मिलने वाली छात्रवृत्ति राशि में कटौत्ती कर दी। इस वजह से फीस में विद्यार्थियों को कुछ राशि जेब से मिलकर जमा करना पड़ता है। नियमित छात्रवृत्ति नहीं आने से कालेजों की मुश्किल बढ़ गई है, क्योंकि विद्यार्थी फीस नहीं जमा कर रहे है।नियमानुसार विद्यार्थियों को परीक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता है इसलिए इनकी अंकसूची रोकी जाती है। विश्वविद्यालय के अध्ययनशालाओं में भी यह स्थिति है। विभागाध्यक्षों के मुताबिक छात्रवृत्ति में देरी होने से कालेजों को लाख रुपये की फीस अटकी है। विभागाध्यक्षों का कहना है कि विद्यार्थियों ने नेशनल स्कालरशीप पोर्टल पर पंजीयन भी करवा रखा है। बावजूद इसके कुछ छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति नहीं आए है। जिन्हें राशि बैंक खातों में मिली है। वह भी पूरी नहीं है।

वाट्सअप पर देना है डिटेल

छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिलने वाले आवेदकों की सूची बनाई जा रही है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन विद्यार्थियों को अपनी जानकारी देना है। जिन्होंने नेशनल स्कालरशिप पोर्टल पर आवेदन कर रखा था। मगर राशि बैंक खातों में नहीं आई है। विद्यार्थियों को वाट्सअप पर डिटेल 9425934120 देना है। विश्विवद्यालय ने नोडल अधिकारी डॉ. प्रीति सिंह को बनाया है।

कापी जांचने के दो साल बाद भी 1500 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं को नहीं मिला पारिश्रमिक

इंदौर। राज्य शिक्षा केंद्र की पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं 6 मार्च को खत्म हो चुकी है। इसके बाद जिले में बने 10 मूल्यांकन केंद्रों पर कापियां जांची जा रही है। इस बार जिले में करीब दो लाख कापियां चेक होने के लिए आई। मूल्यांकन कार्य में जिले के एक हजार 500 से अधिक शिक्षक लगे हुए हैं। इन शिक्षक को कापियां जांचने पर पारिश्रमिक भी दिया जाता है। लेकिन पिछले दो वर्ष से इन मूल्यांकनकर्ताओं को पारिश्रमिक नहीं मिला है। इस संबंध में शिक्षक संगठन भी आवाज उठा चुके है। जानकारी के अनुसार, इस बार शहरी क्षेत्र को छोड़कर सभी ब्लाक की कापियां अन्य ब्लाक में चेक होने के लिए गई है। वहीं शहरी क्षेत्र की कापियां अन्य जिले भेजी गई है। इस बार जिल में करीब 2 लाख कापियां को 10 केंद्रों पर मूल्यांकन किया जा रहा है। हर एक केंद्र पर 150 शिक्षक कापियां चेक कर रहे है। शिक्षकों को पांचवीं कक्षा में प्रति कापी दो रुपये और आठवीं में प्रति कापी 2.5 रुपये मिलना है। इस मान में प्रत्येक शिक्षक को 800 से हजार रुपये बतौर पारिश्रमिक मिलना है। यह मूल्यांकन कार्य 30 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दो साल से नहीं मिला पारिश्रमिक

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष केके आर्य ने बताया कि पिछले दो शिक्षा सत्र से जिले के करीब 1500 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं को कापी जांचने के बदले पारिश्रमिक नहीं मिला है। जबकि शिक्षकों को मिलने वाली राशि महज प्रति वर्ष 800 से हजार रुपये ही है। इसके साथ ही केंद्राध्यक्ष को भी राशि नहीं मिली है। इस संबंध में हमने कई बार जिला और प्रदेश स्तर पर मांग उठाई है, लेकिन आज तक सुनवाई नहीं हुई है। अब जिला स्तर पर दोबारा ज्ञापन दिया जाएगा।

उन्नत भारत अभियान के तहत एसजीएसआइटीएस कालेज के छात्रो द्वारा चलो गांव की ओर प्रोग्राम की शुरुआत की गई

रोजगार बढ़ेगा, पलायन थमेगा

इंदौर। कृषि स्वास्थ्य, बैंकिंग और रोजगार जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए कल 26 मार्च को एसजीएसआइटीएस छात्र भ्रमण करने के लिए निकले हैं। दरअसल, उन्नत भारत अभियान के तहत श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) द्वारा चलो गांव की ओर प्रोग्राम की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत 900 बच्चे 105 गांवों में जाकर ग्रामीणों के बीच रहकर न सिर्फ उनकी परेशानियों को समझेंगे, बल्कि उसके समाधान के लिए प्रौद्योगिकी भी तैयार करेंगे।इस प्रोग्राम के कोआर्डिनेटर और डिपार्टमेंट आफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के असिस्टेंट प्रोफेसर कृष्णकांत धाकड़ ने बताया कि चलो गांव की ओर अभियान के तहत सभी विद्यार्थी 26 मार्च की सुबह अपने समूह के साथ गांवों की ओर प्रस्थान किया है। इस प्रोग्राम के लिए 110 समूह बनाए गए हैं, प्रत्येक ग्रुप में लगभग आठ विद्यार्थी रखे गए हैं। इसमें कुछ विद्यार्थी इंदौर में गरीब बस्तियों में जाकर वहां की समस्या ढूंढेंगे और उसके लिए प्रौद्योगिकी तैयार करेंगे। इसके अलावा संस्थान में तीन छात्र ऐसे हैं, जो छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के हैं। उन्होंने अपने गांवों की समस्या ढूंढने की इच्छा जताई, इसलिए वे अपने गांवों का भ्रमण करने अकेले जाएंगे। इस प्रोग्राम के तहत सभी छात्रों को 31 मार्च को वापस कालेज परिसर में पहुंचना होगा। इसके बाद सभी संस्थान में अपनी यात्रा का एक वीडियो और विस्तृत रिपोर्ट पेश करेंगे। इसके बाद कालेज के निदेशक व प्रोफेसर गांवों को चिन्हित करके गांव में दोबारा विजिट करेंगे। साथ ही वहां की मूल समस्याओं को दूर करने के लिए एसजीएसआइटीएस संस्थान में तकनीक तैयार करेंगे। इस प्रोग्राम के जरिए छात्र आंत्रप्रेन्योरशिप की तरफ कदम बढ़ाएंगे। छात्र अपनी तकनीक के लिए गांवों में सरकार की मदद से इंडस्ट्री भी शुरू कर सकेंगे, जहां वे ग्रामीणों को रोजगार भी प्रदान कर सकेंगे। इससे ग्रामीणों का पलायन भी रोका जा सकेगा। फिलहाल इस प्रोग्राम के लिए बच्चों की सूची तैयार की जा रही है। इसके बाद उन्हें ग्रुप में बांटा जाएगा, जिसमें एक छात्रा को भी अनिवार्य रूप से रखा जाएगा। ताकि वे गांवों में महिलाओं और लड़कियों की समस्याओं को समझ सकें।

बीमार आंगनवाड़ियों की सुधरेगी हालत

इंदौर। नौनिहालों के लिए संचालित हो रही जिले की 1838 आंगनवाड़ियों में से कई आंगनवाड़ी निजी भवन में संचालित हो रही है। वहीं, जो सरकारी भवन में संचालित हो रही हैं, वहां भवन जर्जर होने लगे हैं। अब इनमें 100 आंगनवाड़ी भवनों को जिर्णोद्धार किया जाएगा। इसके लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा एक करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दरअसल दो साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंगनवाड़ी गोद लो अभियान के तहत दान लिया था, जिसमें महिला बाल विकास को करीब 6.5 करोड़ रुपये दान में मिले थे।जानकारी के अनुसार, 31 मई 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के लोधीपुरा इलाके में आंगनवाड़ियों को गोद लेने की अपील करते हुए आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए खिलौने, किताबें, अनाज और नकद दान के रूप में जनता से समर्थन मांगा था। इसके बाद सार्वजनिक दान के रूप में करीब 6.5 करोड़ मिले थे। काफी समय तक यह राशि रेडक्रास में रही। इसके बाद महिला बाल विकास विभाग को मिली।विभाग ने आलीराजपुर और झाबुआ जिले की आंगनवाड़ियों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपये जारी किए। इसके बाद जिन आंगनवाड़ियों की हाल ठीक नहीं थी, वहां पर राशि खर्च की गई। वर्तमान में विभाग के पास करीब 2.60 करोड़ रुपये रखे हुए है, जिसका उपयोग नहीं हो रहा था। अब इसी राशि में एक करोड़ रुपये से 100 आंगनवाड़ियों की दशा सुधारने की कवायद की जा रही है। जिले में कुछ 1839 आंगनवाडी केंद्र संचालित हो रहे है, जिसमें से विभागीय और अन्य शासकीय भवनों में 993 केंद्र संचालित हो रहे है। 846 आंगनवाड़ी निजी भवन में संचालित हो रही है। विभाग ने शासकीय भवन में संचालित हो रही 100 आंगनवाड़ियों का चयन किया है। यहां पर भवन का जिर्णोद्धार, रंगाई-पुताई की जाएगी। इसके साथ जरूरत की सामग्री मुहैया कराई जाएगी। हर एक आंगनवाड़ी पर औसतन एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

भारत बन रहा निवेश की पहली पसंद; दिवालिया कानून जैसे बदलावों का दिख रहा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूईएफ में वित्तीय और मौद्रिक प्रणाली केंद्र के प्रमुख मैथ्यू ब्लैक ने कहा, भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है और निवेशकों ने यहां पैसा बनाया है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत को एक आकर्षक निवेश ठिकाना बताया है। अधिकारी ने कहा कि दिवालियापन कानून और कराधान संहिता जैसे नीतिगत बदलाओं और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से तैयार सक्षम वातारण से भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक बहुत ही बढ़िया निवेश स्थान बन गया है। डब्ल्यूईएफ में वित्तीय और मौद्रिक प्रणाली केंद्र के प्रमुख मैथ्यू ब्लैक ने कहा, भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है और निवेशकों ने यहां पैसा बनाया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र (जिसे फिनटेक भी कहा जाता है) उन कंपनियों से बना है जो वित्तीय सेवाएं

प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करती हैं। हालांकि, ब्लैक ने यह भी कहा कि चूंकि बाजार पूरी तरह से एक सीध में नहीं चलते हैं और उतार चढ़ाव की संभावना होती है, इसलिए निवेशकों को शिक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, इसलिए एक जानकार निवेशक, एक विविध निवेशक होने और ऐसा करने के लिए शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच रखने का विचार वास्तव में मौलिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) है।

भारत छोटे, महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष देशों के लिए प्रकाशस्तंभ

डब्ल्यूईएफ के मंच सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (सी4आईआर) की कार्यसमिति के सदस्य सेबस्टियन बकुप ने कहा कि भारत में अंतरिक्ष को लेकर उत्साह दुनियाभर से प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहा है और उन्हें व्यवसाय शुरू करने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित कर रहा है। सी4आईआर ने पिछले सप्ताह भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम शुरू किया। इसका मकसद अंतरिक्ष में रुचि रखने वाले विभिन्न देशों के बीच वैश्विक सहयोग बनाया जा सके, क्योंकि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में कुछ करने की इच्छा रखने वाले छोटे और महत्वाकांक्षी देशों के लिए भारत को एक आदर्श, एक प्रकाशस्तंभ के रूप में देखा जाता है। ये देश भारत की सहायता भी चाहते हैं। इस क्षेत्र में डब्ल्यूईएफ दोनों पक्षों के बीच एक कड़ी का काम करना चाहता है।

फिनटेक कंपनियां एआई को मानती हैं बड़ी ताकत

ब्लैक ने कहा कि डब्ल्यूईएफ और कैम्ब्रिज सेंटर फॉर अल्टरनेटिव फाइनेंस की ओर से फिनटेक कंपनियों के सीईओ के बीच एक सर्वेक्षण कराया गया था। इसमें यह पता चला कि 70 प्रतिशत कंपनियां यह मानती हैं कि एआई को एक बड़ी ताकत है और इसे उत्पादों और सेवाओं के निजीकरण और अनुकूलन के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्रीय नियामकों के लिए कहा कि जोखिम प्रबंधन के संदर्भ में एआई मददगार हो सकता है और उन्हें लिए प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप ढलने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में नियामक एजेंसियों को आमतौर पर काफी कुशल माना जाता है।

Canada moves up a crucial deadline for international students looking for work permits after graduation

The Canadian government has announced that it will be enforcing a new rule for international students earlier than planned.

On January ww, w®wy, the Immigration, Refugees, and Citizenship Canada (IRCC) confirmed a significant alteration regarding the eligibility criteria for post-graduation work permits for international graduates. Specifically, graduates of college programs delivered through a public-private curriculum licensing arrangement will no longer qualify for this permit.

Initially slated to take effect on September v, w®wy, this change will now be implemented earlier, starting from May vz, w®wy. This adjustment implies that international students enrolling in such programs on or after May vz, w®wy, will not be entitled to a post-graduation work permit upon completion of their studies. This modification in the post-graduation work permit criteria does not outrightly hinder graduates from seeking alternative work permits post-graduation. For instance, graduates can e&plore the option of applying for a work permit supported by an employer's approved labor market impact assessment, particularly for occupations e&periencing shortages in Canada.

The IRCC maintains a list of designated learning institutions indicating whether graduates are eligible for post-graduation work permits. This list is readily accessible on their website.

Other changes to the PGWP

The Canadian government made modifications to the post-graduation work permit programme (PGWP) effective February vz, w®wy. As long as they fulfil all other requirements, students who have finished a master's degree program—even one that lasted less than two years—will be eligible for a three-year PGWP.

An open work permit given to international students who finish their studies in Canada is known as a post-graduation employment permit. PGWP holders are able to work as many hours as they choose for any company, anywhere in Canada.

A PGWP's duration is determined by the length and intensity of the student's study programme as well as the date on which their passport e&pires, whichever occurs first.

Canada's cap on foreign students

In response to the burgeoning housing shortage e&acerbated by a surge in international student numbers, Canada unveiled a new measure in January: a two-year cap on new international student permits. The decision comes on the heels of a remarkable spike in the influ& of foreign students in recent years.

Government data reveals that last year alone, Canada issued over {z®,®®® study permits to international students. Consequently, the total number of international students entering the country soared to a record-breaking figure e&ceeding one million. This staggering statistic reflects a threefold increase compared to the number recorded a decade ago.

अंटार्कटिका में बर्फ के नीचे मिली ये हैरान करने वाली चीज, एलियन है या कुछ और...

दुनिया में एलियंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया पर एलियंस और इलुमिनाती को लेकर कई तरह थ्योरी वायरल हुई हैं। अब इस बीच एक हैरान करने वाली खोज ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

अंटार्कटिक में यह खोज हुई थी, जिसमें एक पिरामिड की तरह एक पहाड़ देखा गया था। कुछ लोगों ने इसे एलियंस से जोड़ था, तो कुछ लोगों का कहना था कि यह प्राचीन सभ्यता की निशानी है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह बर्फ का पिरामिड पूरी तरह से प्राकृतिक हैं। इसकी खोज अंटार्कटिक की एल्सवर्थ माउंटेन रेंज के दक्षिणी इलाके में सैटेलाइट की तस्वीरों से की गई थी। यह पिरामिड के अकारा है, लेकिन इसके आधार पर द्रव्यमान सिर्फ दो किलोमीटर की दूरी पर है। यह गीजा में मिस्र के पिरामिड से बिल्कुल विपरीत है। हालांकि, पिरामिड को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए गए।

कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि प्राचीन सभ्यता और रहस्यमयी सोसाइटी इलुमिनाती से जुड़ा है। कई लोगों ने कहा कि प्रागैतिहासिक काल में अंटार्कटिक किसी समय वर्षावनों से भरा रहा होगा, जिसकी वजह से यहां ऐसी संरचनाएं अस्तित्व में आई होंगी। लेकिन, प्रोफेसर एरिक रिग्नॉट के नेतृत्व वाली टीम में शामिल भूविज्ञान विशेषज्ञों ने इस तरह की अटकलों की खारिज कर दिया था। बताया गया कि पिरामिड की तरह शेप के पहाड़ के पीछे की वजह ग्लेशियरों हैं। इसके साथ यह भी कहा गया है कि यह पूरी दुनिया के अलग-अलग स्थानों पर देखी जाने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इन सभी के दावों के बाद भी अंटार्कटिक में मिले पिरामिड की शेप के पहाड़ को रोचक माना जाता है। इससे पता चलता है कि दुनिया में कितने आश्चर्य हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई कई चीजों को एलियन या फिर इलुमिनाती से जोड़कर देखा गया है। हालांकि कभी इन दोनों चीजों से जुड़े दावों की पुष्टि नहीं हो पाती है।

दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले टायसियर की एक आंख उसके दिमाग के बराबर है. वो आखों की पुतली को घुमा नहीं सकता; अगर उसे अपने आस-पास की किसी चीज़ को देखना है तो उसे अपना पूरा सिर उस तरफ़ घुमाना पड़ता है. लेकिन टारसियर की ये डरावनी आंखें ही उसकी ख़ासियत भी है, क्योंकि वह इनसे घोर अंधेरे में भी बड़ी आसानी से देख सकता है. चाहे कितना भी अंधेरा क्यों ना हो कीड़े-मकोड़े और छोटे परिंदें टारसियर की नज़र से बच नहीं सकते. उनकी आंखों की बनावट ऐसी है कि वो रोशनी के हर आखिरी फ़ोटोन को इकट्ठा कर सकता है. उनकी आंखें रात में देख सकने वाले किसी नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं.

टायसियर जिनके पास है रात में देखने वाला चश्मा

टार्सियर अब फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया के दक्षिण पूर्व एशियाई द्वीपों तक सीमित हैं। वहाँ 10 टार्सियर प्रजातियाँ और चार उप-प्रजातियाँ हैं, जो बंदरों और वानरों के एक सहयोगी समूह से संबंधित हैं। विलुप्त होने से कुछ हद तक सभी टार्सियर प्रजातियों को खतरा है। किसी भी अन्य जानवर की तरह घूरने की क्षमता, अत्यधिक लंबी उंगलियां, मखमली मुलायम फर और झपट्टा मारकर कीड़े या यहां तक कि पक्षियों को पकड़ने की क्षमता के साथ, वे एक बार फिर देखने लायक हैं। यहां कुछ चीजें हैं जो टार्सियर को एक शानदार जानवर बनाती हैं।

टार्सियर्स की आंखें बहुत बड़ी होती हैं

किसी भी स्तनपायी के शरीर के आकार की तुलना में टार्सियर की आंखें सबसे बड़ी होती हैं। प्रत्येक नेत्रगोलक का व्यास लगभग 16 मिलीमीटर है, जो टार्सियर के पूरे मस्तिष्क जितना बड़ा है। आंखें इतनी बड़ी हैं कि उन्हें घुमाया नहीं जा सकता. इसके बजाय, टार्सियर उल्लू की तरह अपनी गर्दन को किसी भी दिशा में पूरे 180 डिग्री तक मोड़ सकते हैं। वे शिकार के लिए इधर-उधर घूमने के बजाय चुपचाप शिकार के आने का इंतजार करने की इस क्षमता का उपयोग करते हैं। उनकी आँखों का आकार संभवत: टेपेटम नामक परावर्तक परत की अनुपस्थिति से संबंधित है जो आम तौर पर अन्य रात्रिचर जानवरों की आँखों में पाई जाती है। 2 बच्चे खुली आँखों के साथ पैदा होते हैं, जन्म के एक घंटे के भीतर पेड़ों पर चढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

वे पूर्णत: मांसाहारी हैं

टार्सियर एकमात्र पूर्णत: मांसाहारी प्राइमेट हैं। जबकि विशिष्ट आहार प्रजातियों के साथ भिन्न होता है, उन सभी में एक चीज समान होती है- वे किसी भी प्रकार का पौधा नहीं खाते हैं। वे कीड़ों, छिपकलियों और सांपों जैसे सरीसृपों, मेंढकों, पक्षियों और यहां तक कि चमगादड़ों पर भी दावत देते हैं। वे गंभीर घात लगाकर हमला करने वाले शिकारी हैं, चुपचाप शिकार के पास आने का इंतजार करते हैं - और यहां तक कि हवा से पक्षियों और चमगादड़ों को भी झपट सकते हैं। क्षेत्रीय कथाओं पर आधारित पुराने ग्रंथों में बताया गया है कि टार्सियर चारकोल खाते हैं। यह रिपोर्ट असत्य है; इसके बजाय, टार्सियर कीड़ों तक पहुंचने के लिए लकड़ी का कोयला खोदते हैं।

उनके उपांग लम्बे हैं

टार्सियर्स को उनका नाम उनके पैरों में असाधारण रूप से लम्बी टारसस हड्डियों के कारण मिला है। जबकि टार्सियर का सिर और शरीर 4 से 6 इंच लंबा होता है, उनके पिछले पैर और पैर दोगुने लंबे होते हैं। उनके पास एक लंबी, आमतौर पर बाल रहित पूंछ होती है जो अतिरिक्त 8 या 9 इंच जोड़ती है। पेड़ की शाखाओं को पकड़ने में मदद करने के लिए उनकी उंगलियां अतिरिक्त लंबी होती हैं, और उनकी तीसरी उंगली उनकी पूरी ऊपरी भुजा जितनी लंबी होती है। उनके अंकों की युक्तियाँ डिस्क जैसे चिपकने वाले पैड में विस्तारित हो सकती हैं जो उन्हें पकड़ने में सहायता करती हैं। 2 यह अनूठी शारीरिक रचना टार्सियर को ऊर्ध्वाधर चिपकने वाला और चढ़ने वाला-और कूदने वाला बनने की अनुमति देती है। वे एक छलांग में अपने शरीर की लंबाई से 40 गुना अधिक छलांग लगा सकते हैं।

वे जमीन के करीब रहते हैं

टार्सियर आमतौर पर जमीन से 3 से 6.5 फीट की ऊंचाई पर रहते हैं। ये जानवर घने, अंधेरे वनस्पति वाले क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं। उन्हें विशेष रूप से सोने के लिए प्रचुर मात्रा में वृक्षों के आवरण की आवश्यकता होती है। वे दिन में किसी खड़ी पेड़ की शाखा या बांस से चिपक कर सोते हैं। वर्षावन की घनी वनस्पति और वन तल के करीब रहने से कीड़ों और अन्य शिकार तक अधिक पहुंच मिलती है। यह उनकी संवेदनशील आँखों को भी धूप से बचाता है। वे पुराने विकास और द्वितीयक वनों के साथ-साथ कम झाड़ीदार वनस्पतियों में भी पाए जा सकते हैं।

वे कैद में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते

निवास स्थान और शिकार दोनों में टार्सियर की विशिष्ट ज़रूरतें बंदी प्रजनन कार्यक्रमों को लगभग असंभव बना देती हैं, और कैद में रखे गए लगभग 50% टार्सियर ही जीवित रहते हैं। जो टार्सियर तनावग्रस्त हैं या बहुत छोटे पिंजरों में हैं उनमें आत्महत्या की प्रवृत्ति होती है। विशेष तनाव के कारक हैं प्रकाश, शोर, अपने निवास स्थान में मनुष्य और छुआ जाना। वे अपनी पतली खोपड़ी को पेड़ों, फर्श या पिंजरे की दीवारों से टकराएंगे। पर्यावास संरक्षण ही उनकी एकमात्र आशा है। कैद में जीवन प्रत्याशा जंगली में 24 साल की तुलना में घटकर दो से 12 साल रह जाती है।

तीन प्रकार के होते हैं टार्सियर

टार्सियर तीन प्रकार के होते हैं- पूर्वी, पश्चिमी और फिलीपीन। पूर्वी टार्सियर सुलावेसी और आसपास के द्वीपों में निवास करते हैं, फिलीपीन टार्सियर फिलीपींस तक ही सीमित हैं और उनकी पूरी तरह से गंजी पूंछ और बाल रहित पैर हैं, जबकि ब्रुनेई, बोर्नियो, इंडोनेशिया और मलेशिया पश्चिमी टार्सियर की आबादी की मेजबानी करते हैं, जिनकी पूंछ अंत में गुच्छों के साथ होती है। फिलीपीन और पश्चिमी टार्सियर मुख्य रूप से तराई प्रजातियाँ हैं। पिग्मी प्रजाति को छोड़कर, पूर्वी टार्सियर कई आवासों और ऊंचाईयों में फैले हुए हैं, जो केवल 1,600 फीट से ऊपर पाई जाती है। ऐसा माना जाता था कि पिग्मी किस्म विलुप्त हो गई है जब इसे 1921 और 2008 के बीच नहीं देखा गया था।

पैग्मी टार्सियर्स को विलुप्त मान लिया गया था

2008 में, वैज्ञानिकों ने जीवित पिग्मी टार्सियर (टार्सियस प्यूमिलस) की पहली आबादी का पता लगाया, क्योंकि संग्रहकर्ताओं ने 1930 में नमूने प्राप्त किए थे। 8 पूंछ सहित केवल 3 से 4 इंच लंबे, वे एक छोटे चूहे के आकार के बारे में सबसे छोटे जीवित टार्सियर हैं। उनके बाल मोटे, घुंघराले होते हैं और वे अपने कान हिला सकते हैं। पैग्मी टार्सियर तराई के टार्सियरों की तरह मुखर नहीं होते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वे इतनी तेज़ आवाज़ निकाल सकते हैं जो मानव कानों के लिए अज्ञात हो।

इनके विलुप्त होने का खतरा है

तेजी से सिकुड़ते आवासों और विखंडन के कारण सभी टार्सियर प्रजातियाँ विलुप्त होने की चपेट में हैं। ताड़ के तेल, नारियल और कॉफी के बागानों ने घनी वनस्पतियों का स्थान ले लिया है जिनकी टार्सियर को अपनी संख्या सफलतापूर्वक बनाए रखने के लिए आवश्यकता होती है। जंगली बिल्लियों और कुत्तों द्वारा शिकार के प्रति संवेदनशीलता, साथ ही भोजन और अल्पकालिक पालतू जानवरों के लिए मानव अवैध शिकार, इन जानवरों के सामने आने वाली समस्याओं को बढ़ाते हैं। 10 इन प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में केंद्रित और व्यापक संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता है। सियाउ द्वीप टार्सियर दुनिया के 25 सबसे लुप्तप्राय प्राइमेट्स में से एक है। न केवल उनका प्राथमिक निवास स्थान नष्ट हो गया है, बल्कि उन्हें नियमित रूप से नाश्ते के रूप में भी खाया जाता है।

यहां पर मुफ्त में जमीन और घर दे रही है सरकार फिर भी कोई बसना नहीं चाहता

हर किसी का सपना होता है कि एक अच्छी जगह उसका अपना घर हो। घर ऐसी जगह हो, जहां पर शांति के साथ सभी सुख सुविधाएं मौजूद हों। घर बनाने के लिए एक आम आदमी अपने जीवन भर की कमाई का लगा देता है। अगर आपको कोई घर बनाने के लिए मुफ्त में जमीन दे, तो क्या इस ऑफर को छोड़ देंगे? लोगों को एक जगह मुफ्त में रहने के लिए जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं लेना चाहता है। जानते हैं कि आखिर इसकी वजह क्या है और जगह कहां पर है?

द्वीपों पर लोग शांति की तलाश में जरूर जाते हैं, लेकिन यहां बसना नहीं चाहते हैं। अगर आपको पता चले कि ऐसे स्थान पर मुफ्त में जमीन और घर मिल रहा है, तो आप क्या करेंगे? इसके साथ ही आपको पता चले कि ऐसी जगह पर फ्री में जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं चाहता है, तो आपको हैरानी होगी।

वर्तमान समय में कुछ देश बढ़ती जनसंख्या से परेशान हैं, तो ऐसे समय में एक जगह पर लोगों को बुलाकर बसाया जा रहा है, लेकिन क्या आप इस जगह पर जाना चाहेंगे? वह जगह पिटकैर्न आइलैंड है। यहां की सरकार जनसंख्या को लेकर

परेशान है। सरकार की तरफ से यहां पर आकर बसने वाले लोगों को मुफ्त में जमीन में दी जा रही है। हालांकि इसके बावजूद यहां पर साल 2015 से लेकर अभी तक सिर्फ एक ही आवेदन पत्र मिला है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां दुनिया का सबसे छोटा समुदाय है, जहां पर सिर्फ 50 लोग रहते हैं। यहां पर सिर्फ दो बच्चे हैं और यहां कोई स्कूल भी नहीं है। बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ता है। यहां शहरों की तरफ शोरगुल नहीं है और यहां पर लोग अपनी छोटी दुनिया में खुश रहते हैं।

यहां पर नहीं हैं ये सुविधाएं

इस द्वीप पर रहने वाली एक 21 वर्षीय टोरिका क्रिश्चियन का कहना है कि सिर्फ मील लंबे और 1 मील चौड़ा यह आइलैंड दुनिया से अलग है। यहां पर कोई एयरपोर्ट नहीं है। यहां पर लोग सप्लाई वाले जहाजों से यात्रा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सप्लाई वाला जहां यहां पर हफ्ते में सिर्फ दो दिन आता है। यह जहाज पिटकैर्न आइलैंड से गैंबियर आइलैंड तक चलता है।

घूमने वाले लोग भी यहां इसी जहाज से आते हैं। साल 1978 में इस आइलैंड को बसाया गया था। यहां के लोगों की कमाई आइलैंड के स्टैंप, मॉडल शिप्स और फिश वॉल से कमाई करते हैं। यहां पर जनरल स्टोर, जिम, मेडिकल सेंटर, लाइब्रेरी, टूरिज्म ऑफिस और बेसिक सुविधाएं भी हैं। हालांकि यहां पर शांति होने की वजह से लोग यहां पर बसना नहीं चाहते हैं।

विराट टी-20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय बने

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल के छठे मुकाबले में पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। पंजाब ने 20 ओवर में 176 रन बनाए। बेंगलुरु ने 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में अपना 51वां अर्धशतक जमाया। वे टी-20 में 50 से ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बैटर और पहले भारतीय बने। विराट टी-20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने सुरेश रैना को पीछे किया।

विराट टी-20 क्रिकेट में 100 बार 50+ स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय

विराट कोहली के ओवर टी-20 क्रिकेट में 100 बार फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए। वे ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बैटर बने। दुनिया में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने 455 इनिंग्स में 110 बार 50+ स्कोर बनाया है। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं।

टी-20 क्रिकेट में इंटरनेशल, डोमेस्टिक और लीग क्रिकेट तीनों शामिल हैं। 50+ स्कोर में सेंचुरी भी शामिल होती है। अगर स्कोर 99 रन है तो वह अर्धशतक और 50+ स्कोर है। लेकिन अगर स्कोर 101 रन है, तो वह शतक में गिना जाएगा, लेकिन 50+ स्कोर भी कहलाएगा।

टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच

विराट कोहली टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय प्लेयर बन गए। उन्होंने पंजाब के खिलाफ एक कैच लेने के साथ ही 173 कैच पूरे कर लिए। उनसे पहले यह रिकॉर्ड सुरेश रैना के नाम था। रैना ने 377 मैचों में 172 कैच लिए हैं। हालांकि, टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड कीरोन पोलार्ड के नाम है। पोलार्ड ने 660 मैचों में 362 कैच लिए हैं। विराट इस रिकॉर्ड में 15वें नंबर पर आते हैं। पहले नंबर पर पोलार्ड, दूसरे पर डेविड मिलर और तीसरे पर ड्वेन ब्रावो का नाम है।

अंडर-13 आईलीग में मिनर्वा एकेडमी ने पंजाब एफसी को 15-2 से हराया

चंडीगढ़, एजेंसी। अंडर-13 यूथ लीग में मिनर्वा एकेडमी ने अवे मैच में बड़ी जीत दर्ज की और पंजाब एफसी को उन्हीं के घर में 15-2 से हराया। मोहम्मद आजम सिंह को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। मिनर्वा के युवा खिलाड़ियों ने पंजाब एफसी पर कोई दया नहीं दिखाई और खेल की शुरुआत से ही जोरदार आक्रामक प्रदर्शन किया।

मिनर्वा का नेतृत्व आजम कर रहे थे और उन्होंने 5 गोल करते हुए टीम की जीत पक्की की। वे इससे पहले 3 गोल कर चुके हैं और उनके गोल की टोटल गिनती अब 8 हो गई है। उनका साथ देते हुए चेतन ने भी गेम में हैट्रिक लगाई, जिससे उनके कुल गोल की संख्या 8 हो गई। दोनों के असाधारण प्रदर्शन ने न केवल मिनर्वा को शानदार जीत दिलाई, बल्कि मैदान पर अपनी अपार प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन भी किया।

पंजाब एफसी बैकफुट पर रही। मैच में मिनर्वा का पूरी तरह से दबदबा रहा। उनके शीर्ष गुणवत्ता वाले आक्रामक प्रदर्शन ने पंजाब एफसी को पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया। मिनर्वा के युवा खिलाड़ियों ने अंडर-13 आई-लीग में लगातार प्रभावित करना जारी रखा है, उनकी निरंतर गुणवत्ता वाली फुटबॉल और उनके द्वारा खेले जाने वाले प्रत्येक मैच में असाधारण टीम वर्क चमक रहा है।

मिनर्वा इस प्रभावशाली प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहती है, टीम अपनी जीत की लय बरकरार रखने और अंडर-13 आई-लीग में अपना दबदबा दिखाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज़म और चेतन जैसे खिलाड़ियों के नेतृत्व में, मिनर्वा एकेडमी युवा फुटबॉल में एक बड़ी ताकत साबित हो रही है।

श्रीजा अकुला ने डब्ल्यूटीटी फीडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल खिताब जीता

बेरूत, एजेंसी। भारत की श्रीजा अकुला ने डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टेबल टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीत लिया।

अकुला ने लक्ज़मबर्ग की सारा डी नुट्टे को 3-1 (6-11, 12-10, 11-5, 11-9) से हराकर अपना दूसरा डब्ल्यूटीटी एकल करियर खिताब हासिल किया। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने जनवरी की शुरुआत में टेक्सस में फीडर कॉर्पस क्रिस्टी 2024 में अपना पहला खिताब जीता था। इस बीच, पोयमंती बैस्या और आकाश पाल ने अपने वरिष्ठ हमवतन सातियान ज्ञानसेकरन और मनिका बत्रा को हराकर मिश्रित युगल खिताब जीता।

पोयमंती बैस्या और पाल ने फाइनल में सातियान और बत्रा को 3-1 (11-9, 7-11, 11-9, 11-0) से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब जीता। पुरुष युगल में भी भारत 1-2 से रहा, जिसमें मानुष शाह और मानव ठक्कर ने खिताबी मुकाबले में हमवतन मुदित दानी और आकाश पाल को 3-1 (11-7, 11-5, 9-11, 11-6) से हराया। बेरूत आई फीडर मिश्रित युगल का खिताब जीतने वाली दीया चितले और मानुष शाह सेमीफाइनल में साथियान और बत्रा से हार गई। साथियान ने इस सप्ताह की शुरुआत में बेरूत फीडर में पुरुष एकल का खिताब जीता था। सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के किरिल गेरासिमेंको से वो हार गए। पुरुष एकल में दुनिया के 43वें नंबर के खिलाड़ी गेरासिमेंको ने 103वीं रैंकिंग के साथियान को 3-0 (11-9, 13-11, 11-9) से हराया।

फुटबॉलर फ्लोरियन ने बनाया रिकॉर्ड

जर्मनी के लिए सबसे कम समय में गोल दागने वाले खिलाड़ी बने

ल्योन, एजेंसी। जर्मनी ने दोस्ताना मुकाबले में फ्रांस को 2-0 से पराजित कर दिया। इस मैच में जर्मनी के लिए फ्लोरियन विर्ट्ज ने सातवें सेकेंड में ही गोल कर दिया। यह जर्मनी के लिए अब तक का सबसे तेज गोल है। जर्मनी के लिए दूसरा गोल 49वें मिनट में काई हेवर्ट्ज ने किया। इससे पहले जर्मनी के लिए सबसे तेज गोल का रिकॉर्ड नौ सेकेंड में था। यह गोल ल्यूकास पोदोल्स्की ने 2013 में इक्वाडोर के खिलाफ किया था, लेकिन फ्लोरियन विर्ट्ज ने 11 साल बाद इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया। फ्रांस के खिलाफ जीत ने जर्मनी के मैनेजर जूलियन नागेल्समैन की योजनाओं को बल प्रदान किया है। 2024 की यूरोपियन चैंपियनशिप की मेजबानी जर्मनी करने जा रहा है।

यूरोपियन चैंपियनशिप के लिए अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापस आने वाले टोनी क्रूज ने अपनी वापसी को सार्थक करके दिखाया। यह उन्हीं का पास था, जिस पर विर्ट्ज ने सातवें सेकंड में गोल किया। क्रूज ने बाद में कहा भी कि उन्होंने अभ्यास सत्र में इस तरह के मूव की तैयारी भी की थी। जर्मन सॉकर फेडरेशन ने भी इस बात की घोषणा कर दी है कि यह जर्मनी का सबसे तेज गोल है। यह जर्मनी की फ्रांस पर लगातार दूसरी जीत है, लेकिन पिछले 11 मैचों में यह उसकी तीसरी जीत है।

वेंबले स्टेडियम में खेले गए एक अन्य दोस्ताना मुकाबले में ब्राजील ने इंग्लैंड को 1-0 से पराजित कर दिया। ब्राजील के लिए यह गोल इस सत्र के अंत में रियल मैड्रिड से जुड़ने जा रहे 17 वर्षीय एंड्रिक ने किया। वह वेंबले में सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबालर बन गए। उन्होंने यह गोल 80वें मिनट में 17 वर्ष 246 दिन की उम्र में किया। एंड्रिक 18 वर्ष के होने पर रियल से जुड़ेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाएंगे पांच टेस्ट मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज जल्द शुरू होने वाली है। बीसीसीआई और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पांच मैचों की सीरीज होगी।

1991-92 के बाद पहली बार, ऑस्ट्रेलिया और भारत इस गर्मी में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करेंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए श्रृंखला आने वाले दिनों में जारी होने वाले 2024-25 घरेलू ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम का हिस्सा होगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, टेस्ट क्रिकेट की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के अपने समर्पण पर बीसीसीआई दृढ़ है, एक ऐसा प्रारूप जिसे हम सर्वोच्च सम्मान देते हैं।बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को पांच टेस्ट मैचों तक बढ़ाने में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारा चल रहा सहयोग टेस्ट क्रिकेट के महत्व को बढ़ावा देने और इस बढ़ाने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह विस्तार टेस्ट क्रिकेट के सार को बढ़ाने और इसकी विरासत को बनाए रखने के हमारे साझा दृष्टिकोण को और बढ़ाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबले रोमांचक होने की उम्मीद करते हैं, जो अपनी तीव्रता और उत्साह से दुनिया भर के प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देगा।

सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा, ÷दो महान क्रिकेट राष्ट्रों के बीच प्रतिद्वंद्विता और इससे पैदा होने वाले उत्साह को देखते हुए हमें बेहद खुशी है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को पांच टेस्ट तक बढ़ा दिया गया है। क्रिकेट जगत की निगाहें ऑस्ट्रेलिया पर होंगी और मुझे विश्वास है कि पैट कमिंस की विश्व चैंपियन टीम भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देगी। हम बीसीसीआई के साथ सहयोग के लिए आभारी हैं और मैं टेस्ट क्रिकेट की श्रेष्ठता के बारे में बीसीसीआई सचिव की भावनाओं से सहमत हूं।

हम उनकी टीम, अधिकारियों और प्रशंसकों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं।दोनों टीमों के बीच पिछली चार टेस्ट सीरीज में भारत हर बार जीत हासिल करते हुए अधिक प्रभावी टीम रही है। इसमें 2018-19 और 2020-21 (दोनों समान 2-1 अंतर से) में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतना शामिल है। 2018-19 में भारत ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी।

इस और भविष्य की श्रृंखला के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का विस्तार उन देशों की स्थिति को मान्यता देता है जिन्होंने 2023 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भाग लिया था और साथ ही खेल के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप के प्रति उनकी स्थायी प्रतिबद्धता को भी मान्यता दी है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अंकिता को साड़ियां बेहद पसंद

बॉलीवुड एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने साड़ियों के प्रति अपने प्यार को जाहिर किया है, और नाइन-यार्ड वंडर को अब तक की सबसे आरामदायक पोशाक का टैग दिया है। साड़ियों के प्रति अपने प्यार का इजहार करते हुए अंकिता ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि बचपन से ही मुझे साड़ियां पसंद थीं। जब हम छोटे होते हैं तो हम अपनी मां की साड़ियों के साथ खेलते थे। अंकिता ने अपनी यादों को ताजा किया और याद किया कि कैसे वह अपनी मां की साड़ी पहनती थी और टीचर-टीचर खेलती थी। अंकिता ने कहा, मैं उनकी साड़ियां पहनकर टीचर-टीचर खेलती थी, मेरी मां जानती हैं कि साड़ी में खुद को कैसे स्टाइल करना है। मेरी मां की वजह से यह मुझ पर भी अच्छी लगती है। मुझे साड़ियां बहुत पसंद हैं, यह अब तक का सबसे आरामदायक पहनावा है। स्वातंत्र्य वीर सावरकर में भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस ने कहा, मैं साड़ी में सेक्सी, ग्लैमरस, खूबसूरत और सिंपल दिख सकती हूं, यह सबसे अच्छी पोशाक है।

तापसी ने अपने बॉयफ्रेंड

मैथियास बो के साथ रचाई शादी

बेबी, पिंक, मनमर्जियां जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने लॉन्ग-टर्म बॉयफ्रेंड मैथियास बो से शादी कर ली है। बताया जा रहा है कि दोनों शनिवार को उदयपुर में शादी के बंधन में बंध गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समारोह बुधवार को शुरू हुआ। समारोह में उनके परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए।थप्पड़ और दोबारा में तापसी के साथ काम कर चुके अभिनेता पावेल गुलाटी, अनुराग कश्यप, जो तापसी के अच्छे दोस्त भी हैं, शादी समारोह में शामिल हुए।इस समारोह में स्क्रीन राइटर कनिका ढिल्लों और हिमांशु शर्मा भी मौजूद थे।हालांकि, जब आईएएनएस ने उनसे संपर्क किया तो उनके प्रतिनिधियों ने कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

बॉलीवुड की राजनीति पर रवीना का कटाक्ष

90 के दशक की खूबसूरत अदाकारा रवीना टंडन इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। जल्द ही रवीना पटना शुक्ला में नजर आएंगी। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री भी अपनी आगामी फिल्म का प्रचार-प्रसार जोरों-शोरों से कर रही हैं। इस दौरान हाल ही में, अभिनेत्री ने बॉलीवुड को लेकर कुछ सनसनीखेज खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

रवीना टंडन ने अपने हालिया इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि फिल्म इंडस्ट्री असुरक्षित लोगों से भरा हुआ है। रवीना ने कहा कि वह अपने करियर में इंडस्ट्री की राजनीति का शिकार हुई थीं, लेकिन वह आज गर्व से कह सकती हैं कि उन्होंने कभी भी अपनी इच्छा से किसी और के करियर को नुकसान पहुंचाने की रणनीति नहीं बनाई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मेट्रो के बाद अब नोएडा में 2 लड़कियों ने की अश्लीलता की हदें पार, कटा 33 हजार का चालान

नईदिल्ली, एजेंसी। सोमवार को होली के दिन एक स्कूटी सवार होकर अश्लीलता फैलाकर रंग लगाने का वीडियो वायरल हुआ है। स्कूटी से स्टंट के दो वीडियो वायरल हुए है। एक वीडियो में दिखाई दे रहा है एक युवक स्कूटी चला रहा है। वहीं दो युवतियां पीछे बैठकर अश्लीलता भरे अंदाज में एक दूसरे को गुलाल लगा रही है। वहीं एक व्यक्ति घटना का वीडियो बना रहा है। तीनों ने हेलमेट भी नहीं पहना है। इसी तरह दूसरे वीडियो में एक युवक स्कूटी चला रहा है। इस दौरान एक युवती स्कूटी पर खड़े होकर युवक को रंग लगा रही है। जैसे ही युवक स्कूटी स्टार्ट कर चलाता है वह कुछ दूर चलने के बाद ब्रेक मरता है। इस दौरान पीछे स्कूटी पर खड़ी युवती सड़क पर गिर जाती है। स्टंट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यातायात पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर 33 हजार रुपये का चालान काटकर भेज दिया है। स्टंटबाजी की घटनाएं रोजाना सामने आ रही हैं। ऐसा तब है, जब यातायात पुलिस इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। बीते कुछ दिनों में वाहन चालकों के एक्सप्रेस-वे और शहरी की मुख्य सड़कों पर स्टंट करते कई वीडियो वायरल हो चुके हैं। इनमें से कई मामलों में चालान की कार्रवाई की गई है। इसके बावजूद लोग स्टंट करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

कविता को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले दिल्ली की अदालत ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर की बेटी और बीआरएस नेता के कविता को 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। रिमांड अवधि समाप्त होने पर ईडी ने आज बीआरएस नेता के कविता को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए ईडी ने आवेदन दाखिल किया, जहां से उनको न्यायिक हिरासत में भेजा गया। बता दें कि कविता ने अपने बेटे के परीक्षा होने के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। अदालत पंहुची के कविता ने मीडिया से कहा, ÷यह मनी लॉन्ड्रिंग केस नहीं है, यह पॉलिटिकल लॉन्ड्रिंग केस है। एक आरोपित ने भाजपा ज्वाइन कर लिया तो दूसरे को भाजपा का टिकट मिल गया। एक आरोपित ने इलेक्टोरल बांड के जरिये करोड़ों रुपए भाजपा को दिए। ये झूठा मुकदमा है और हम इसमें निर्दोष साबित होंगे। जय तेलंगाना।÷ इससे पहले 23 मार्च को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता की ईडी रिमांड 26 मार्च तक बढ़ाई थी।

एक गलती ने तड़ीपार बिल्ली को पहुंचाया सलाखों के पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा कोतवाली फेज-दो पुलिस ने सोमवार शाम जिला बदर/हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक तमंचा और एक कारतूस बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 18 मुकदमे दर्ज हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि सूचना के आधार पर एस के 2 सोसायटी के अंदर जाने वाले रास्ते से विक्की उर्फ बिल्ली उर्फ मानिकचंद्र को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से तंमचा और एक कारतूस बरामद किया है। विक्की उर्फ बिल्ली को अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था की कोर्ट ने 27 अक्टूबर 2023 को नोटिस तामील कराकर जिला बदर किया गया था। न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर करते हुए गौतमबुद्ध नगर जिले की सीमा में मौजूद मिला। आरोपित जिलाबदर के दौरान आदेश का पालन न करने पर धारा 10 जी गुंडा अधिनियम एवं अंतर्गत धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोपित वर्तमान में गांव गेझा में रहता है।

भद्दे पोस्ट को लेकर हंगामा, सुप्रिया श्रीनेत को कंगना रनौत का करारा जवाब; बैकफुट पर कांग्रेस नेता

नईदिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी उम्मीदवार बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कांग्रेस लीडर सुप्रिया श्रीनेत की आपत्तिजनक पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हर महिला अपनी गरिमा की हकदार है। हालांकि, बाद में सुप्रिया ने सफाई देते हुए कहा कि यह पोस्ट उन्होंने नहीं की। उन्होंने कहा, मेरे मेटा अकाउंट (एफबी और इंस्टाग्राम) तक पहुंच रखने वाले किसी व्यक्ति ने यह बेहद घृणित और आपत्तिजनक पोस्ट किया, जिसे हटा दिया गया है। मगर, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस आलाकमान से सुप्रिया श्रीनेत का इस्तीफा मांगा है। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, यह इतना घृणित है कि कोई यह पूछे बिना नहीं रह सकता- आखिर कांग्रेस इतनी गंदगी एक जगह कैसे इकट्ठा कर लेती है? अगर मल्लिकार्जुन खरगे की पार्टी में कोई भूमिका है, तो उन्हें तुरंत सुप्रिया को बर्खास्त करना चाहिए।

सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टा अकाउंट से भद्दे पोस्ट को लेकर कंगना रनौत ने ट्वीट करके कहा, प्रिय सुप्रिया जी, एक कलाकार के रूप में अपने करियर के पिछले 20 वर्षों में मैंने हर तरह की महिलाओं का किरदार निभाया है। क्वीन में एक भोली-भाली लड़की से लेकर धाकड़ में एक आकर्षक जासूस तक, मणिकर्णिका

में एक देवी से लेकर चंद्रमुखी फिल्म में एक राक्षस तक, रज्जो में एक वेश्या से लेकर थलाइवी में एक क्रांतिकारी नेता तक। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि हमें अपनी बेटियों को पूर्वाग्रहों के बंधनों से मुक्त करना चाहिए। हमें उनके शरीर के अंगों के बारे में जिज्ञासा से ऊपर उठना चाहिए। सबसे ऊपर, हमें यौनकर्मियों के चुनौतीपूर्ण जीवन या परिस्थितियों को किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अपमान के रूप में उपयोग करने से बचना चाहिए।

सुप्रिया श्रीनेत की सफाई ने नहीं माने बीजेपी नेताब्र दूसरी ओर, सुप्रिया श्रीनेत ने सफाई देते हुए कहा कि जो कोई भी मुझे जानता है, उसे पता होगा कि मैं किसी महिला के लिए ऐसा कभी नहीं कहूंगी। हालांकि, एक पैरोडी खाता भी है। उसे मैंने अभी-अभी अपने नाम का दुरुपयोग करते हुए पाया है। किसी ने मेरे नाम से ट्विटर पर चलाया भी है। इसे लेकर मैंने शिकायत कराई है। इसके बावजूद, बीजेपी के नेता सुप्रिया पर हमलावर हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा, कंगना रनौत यह आपको नहीं दर्शाता है कि आप कौन हैं, बल्कि पता चलता है कि उन्होंने क्या किया है और आगे भी करने में सक्षम हैं। दरअसल, वे नहीं समझ पाते कि आप जैसी मजबूत महिलाओं के साथ कैसे व्यवहार किया जाए। आप जीत की ओर बढ़ें। विजयी भव!

बता दें कि भाजपा ने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से कंगना रनौत को टिकट दिया है। कंगना ने मंडी संसदीय सीट से लोकसभा का टिकट मिलने पर भाजपा का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी को हमेशा से सपोर्ट करती थीं, अब पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने का मौका दिया है, ऐसे में वह पूरी निष्ठा के साथ काम करने को तैयार हैं। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे प्यारे भारत और आम भारतीयों की पार्टी भारतीय जनता पार्टी को मैं हमेशा से बिना किसी शर्त समर्थन देती आई हूं। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने मुझे मेरी जन्मभूमि मंडी से लोकसभा उम्मीदवार घोषित किया है। मैं हाईकमान के इस फैसले का पालन करूंगी। मैं आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल होकर सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रही हूं।

पड़ोसी ने पिलाया पानी तो घर में घुसकर की मारपीट, परिवार के सदस्यों को लाठी-डंडों से पीटा

नईदिल्ली, एजेंसी। गांव कन्हई में सोमवार को दोपहर को पड़ोसी को पानी पिलाना एक युवक और उसके परिवार को भारी पड़ गया। पानी पीने वाले पड़ोसी के बेटों ने अपने साथियों के साथ मिलकर पानी पिलाने वाले समेत उनके परिवार के सदस्यों के साथ घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके साथ ही जाते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-40 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कन्हई निवासी अमित ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अपने घर पर था। उसी समय पड़ोस में रहने वाले सूबे सिंह ने आवाज देकर पानी पिलाने के लिए कहने लगा। उन्होंने अपने घर से पानी लाकर दे दिया। थोड़ी ही देर बाद सूबे सिंह के बच्चे विक्की और अविनाश उन्हें गाली देते हुए कहने लगे कि पिता को पानी क्यों दिया। इसके बाद अमित, सुमित भी मौके पर आ गए। उनका आरोप है कि चारों ने मिलकर उनके घर का ताला तोड़कर उनके भाई संजीव और परिवार के सदस्यों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। जाते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।

देश में तीन गुना बढ़ गए लोकसभा सीट के उम्मीदवार, बिहार में एक सीट पर औसतन 16 प्रत्याशी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में 67 वर्षों के लोकसभा चुनाव के सफर में एक सीट पर खड़े होने वाले उम्मीदवारों की संख्या तीन गुनी बढ़ गई है। चुनाव आयोग के सांख्यिकी की रिपोर्ट इसकी पुष्टि करती है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 1952 में हुए चुनाव में देश के एक लोकसभा क्षेत्र से खड़े होने वाले उम्मीदवारों का औसत 4.76 था। बिहार में यह औसत प्रति लोस सीट पांच का था, यानी देश के एक लोस क्षेत्र में पौने पांच उम्मीदवार और बिहार के एक लोस क्षेत्र में पांच उम्मीदवार मैदान में थे। 17वीं लोकसभा के लिए वर्ष 2019 में हुए चुनाव में यह औसत तीन गुना बढ़ गया। वर्ष 2019 में हुए चुनाव में देश के प्रति लोकसभा क्षेत्र में 15 उम्मीदवार खड़े थे। मुजफ्फरपुर में पहले चुनाव में थे तीन उम्मीदवार मुजफ्फरपुर में वर्ष 1957 में एकीकृत लोकसभा के तौर पर चुनाव हुआ। इससे पहले मुजफ्फरपुर इस्ट, मुजफ्फरपुर सेंट्रल लोस क्षेत्र यहां थे। एकीकृत के बाद पहले चुनाव में इस सीट से सिर्फ तीन उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें श्यामनंदन सहाय, श्याम कुमार प्रसाद सिन्हा और रामचंद्र गौड़ शामिल थे। श्यामनंदन सहाय कांग्रेस पार्टी से, श्याम कुमार प्रसाद सिन्हा निर्दलीय और रामचंद्र गौड़ प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से थे। वहीं, 2019 के लोस चुनाव में मुजफ्फरपुर सीट से 22 उम्मीदवार मैदान में थे। वर्ष 2019 के लोस चुनाव में बिहार की हर सीट से औसत 16 प्रत्याशी मैदान में थे। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में चंडीगढ़ लोस क्षेत्र से सबसे ज्यादा उम्मीदवार थे। यहां से औसत 36 उम्मीदवारों ने चुनाव में ताल ठोका था। इस वर्ष नगालैंड और दमन दीव दमन में सबसे कम चार के औसत से उम्मीदवार मैदान में थे।

लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों की संख्या वर्ष 1999 से बढ़ी है। वर्ष 1999 में ही देश में ईवीएम का प्रयोग शुरू हुआ।

अंदर से सरकार यूं ही चलेगी, विवाद के बीच केजरीवाल का नया आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी।
कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी से एक और निर्देश जारी किया है। इस बार उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय को लेकर कुछ निर्देश जारी किए हैं। केजरीवाल की ओर से यह निर्देश ऐसे समय पर जारी किया गया है जब ईडी की हिरासत से उनके पहले आदेश पर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा की शिकायत के बाद ईडी ने जांच की बात कही है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस निर्देश की जानकारी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें निर्देश दिया है कि दिल्ली के सभी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त दवाएं और टेस्ट सुनिश्चित हो। भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कुछ अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनक में दवाओं की कमी है। भारद्वाज ने कहा, उन्होंने मुझे आदेश

दिया है कि इस पर जल्द से जल्द उचित कदम उठाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी अस्पतालों में सभी दवाएं और टेस्ट मुफ्त मिलें। उनकी उपलब्धता कम ना हो। उनका निर्देश हमारे लिए भगवान के आदेश है। हम युद्धस्तर पर काम करेंगे। भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल ऐसे मिट्टी के बने हैं कि ईडी की हिरासत में भी उन्हें दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य की चिंता है।

इससे पहले जल मंत्री आतिशी ने रविवार को कहा कि केजरीवाल ने शनिवार को ईडी की हिरासत से उन्हें पानी और सीवरेज से संबंधित सार्वजनिक मुद्दों को हल करने के लिए अपने निर्देशों के साथ एक दस्तावेज भेजा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि गर्मी के महीनों से पहले आपूर्ति को मजबूत करने के लिए पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पानी के टैंकर तैनात किए जाएं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने उन्हें इस संबंध में मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को निर्देश जारी करने का भी निर्देश दिया।

आतिशी के इस दावे के बाद भाजपा ने आपत्ति जाहिर की थी और कहा था कि यह पता लगाया जाए कि केजरीवाल की गैरमौजूदगी में मुख्यमंत्री कार्यालय का इस्तेमाल कौन कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने इस बात की जांच करने जा रही है कि मुख्यमंत्री के ये निर्देश पीएमएलए की विशेष अदालत के उस आदेश के अनुरूप है जो ईडी और केजरीवाल को उनकी हिरासत अवधि के दौरान जारी किया गया।

अदालत ने केजरीवाल को 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजते हुए उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और निजी सहायक बिभव कुमार को हर दिन शाम छह से सात बजे के बीच आधे घंटे के लिए मिलने की अनुमति दी थी। इस अवधि का शेष आधे घंटे का समय केजरीवाल के वकीलों को उनसे मिलने के लिए दिया गया है।

सेनेगल के विपक्षी नेता बसीरू की राष्ट्रपति चुनाव में जीत, कुछ दिन पहले ही जेल से हुए थे रिहा

डकार (सेनेगल) , एजेंसी। अफ्रीकी देश सेनेगल के राष्ट्रपति चुनाव में 44 वर्षीय विपक्षी नेता बसीरू डियोमाये फेय ने जीत हासिल की है। बसीरू को चुनाव से कुछ दिन पहले ही जेल से रिहा किया गया था। सोमवार को चुनाव में जीत के बाद उन्हें देश का अगला राष्ट्रपति नामित किया गया। हालांकि, अभी तक आधिकारिक नतीजों की घोषणा नहीं की गई है।

बसीरू के निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व प्रधानमंत्री ने शुरुआती चुनाव नतीने आने के बाद ही हार स्वीकार कर ली। जिन्हें मौजूदा राष्ट्रपति मैकी सॉल का समर्थन हासिल था। वहीं, सॉल ने बसीरू को विजेता घोषित करने के साथ उन्हें देश का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी।

पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। बसीरू ने चुनाव में बेरोजगारी और खराब शासन को मुद्दा बनाया। जिस कारण उन्हें युवाओं का समर्थन मिला। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद सोमवार देर रात अपने पहले भाषण में पूर्व टैक्स निरीक्षक बसीरू ने देश में नया अध्याय शुरू करने का वादा किया।

उन्होंने प्रचार अभियान के दौरान किए गए वादों को दोहराते हुए कहा, मैं विनम्रता और पारदर्शिता के

साथ शासन करने और सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार से लड़ने की प्रतिज्ञा करता हूं। मैं देश की संस्थाओं के पुनर्निर्माण के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करने का वचन देता हूं। बसीरू को सेनेगल के लोकप्रिय विपक्षी नेता ओस्मान सोनको का समर्थन हासिल था। अपने भाषण के दौरान उन्होंने देश को आर्थिक बदहाली से बचाने के लिए सरकारी कंपनियों को बढ़ावा देकर देश के प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण में सुधार करने की कसम खाई है। निवर्तमान राष्ट्रपति सॉल की राजनीतिक माफी की घोषणा के बाद बसीरू और सोनको 14 मार्च को रिहा कर दिया गया, जो राजधानी में जश्न मनाने के लिए महीनों से जेल में कैद थे।

बेरोजगारी से बदहाल चीन में नौकरी के विज्ञापन की शर्तों पर नाराज हो रहे लोग

बीजिंग, एजेंसी। पड़ोसी देश चीन भले ही दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति हाने का दावा करता हो लेकिन वहां बेरोजगारी सिर चढ़कर बोल रही है। हालात इतने खराब हैं कि सरकार ने बेरोजगारी का आंकड़ा जारी करना बंद कर दिया है। पिछले साल जुलाई में चीन में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.3 फीसदी हो गई थी। इस बीच, चीन के एक किराना स्टोर ने 18 से 30 वर्ष की उम्र के बीच के युवा कैशियर की तलाश के लिए नौकरी का एक विज्ञापन जारी किया है। इस विज्ञापन ने चीनी सोशल मीडिया पर पीड़ादायक पोस्ट की भरमार लगा दी है। सुस्त अर्थव्यवस्था में नौकरी ढूंढ़ रहे चीनी नागरिक सोशल मीडिया वीबो पर तरह-तरह के पोस्ट कर रहे हैं। विज्ञापन के इस पोस्ट को अब तक 14 करोड़ लोग देख चुके हैं और उस पर करीब 41,000 से ज्यादा लोगों ने भावुक कमेंट किए हैं। पूर्वी प्रांत झेजियांग के निंगबो शहर में एक यूजर ने वीबो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, चीन में नौकरी पाना अब आसान नहीं है। एक नेटिजन ने लिखा है, क्या आपको लगता है कि अब नौकरी ढूंढना आसान रह गया है? एक अन्य वीबो यूजर ने लिखा, मैं तो इस साल 33 साल का ही हुआ हूं लेकिन तीन साल से नौकरी की

तलाश कर रहा हूं। कुछ लोगों ने कहा है कि यह विज्ञापन आबादी के एक विशाल मध्यम आयु वर्ग(31 से 40) की दुर्दशा उजागर करता है क्योंकि सरकार उच्च युवा बेरोजगारी दर से लड़ने और कॉलेज स्नातकों में उच्च और रिकॉर्ड बेरोजगारी से निबटने पर ही ध्यान केंद्रित कर रही है और अधेड़ या 30 से ऊपर की उम्र वाले बेरोजगारों पर कोई ध्यान नहीं है। अपनी पीड़ा साझा करते हुए लिखा है, मैं तो अभी 29 साल का ही हूं, अभी अविवाहित हूं और मेरा कोई बच्चा भी नहीं है लेकिन स्नातक के बाद मुझे तीन बार नौकरी से निकाला जा चुका है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े नौसेना एयरबेस पर हमला, सुरक्षा बलों ने चार आतंकी किए ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में आतंकियों ने सोमवार रात तुर्बत अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और नौसेना एयरबेस पर हमले का प्रयास किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नौसेना एयरबेस में हमले को नाकाम करते हुए चार आतंकियों को मार गिराया। वहीं, हमले में सिद्दीक एयरबेस को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि जब आतंकियों ने बलूचिस्तान के तुर्बत जिले में नौसैनिक सुविधा में घुसने की कोशिश की तो उन्हें तुरंत पहचान लिया गया और मार दिया गया। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने इस घटना पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है।

शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया था कि सोमवार की रात आतंकवादियों ने तुर्बत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीयूके) और पाकिस्तान के दूसरे सबसे नौसेना एयर स्टेशन पीएनएस सिद्दीक पर हमला कर दिया। दोनों सुविधाओं के पास भारी गोलीबारी और विस्फोट होने की सूचना थी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने द बलूचिस्तान पोस्ट के हवाले से बताया कि तुर्बत में पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े नौसैनिका हवाई स्टेशन पीएनएस सिद्दीक पर आतंकी हमला हुआ है। साथ ही क्षेत्र में कई विस्फोटों की सूचना मिली है। आतंकी हमले के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने तुर्बत के अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी है और सभी डॉक्टरों को तुरंत ड्यूटी पर आने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की माजिद ब्रिगेड ने तुर्बत में नौसेना एयरबेस पर हमले की जिम्मेदारी ली है। बता दें, मजीद ब्रिगेड बलूचिस्तान प्रांत में चीन के निवेश का विरोध करती है। संगठन का आरोप है कि चीन और पाकिस्तान क्षेत्र के संसाधनों का दुरुपयोग कर

रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीएलए ने दावा किया है कि उसके कई लड़ाके एयरबेस में घुस गए हैं। इस एयरबेस पर चीनी ड्रोन भी तैनात हैं।

20 मार्च को ग्वादर बंदरगाह पर हुआ था हमला: इससे पहले, 20 मार्च को बीएलए की मजीद ब्रिगेड ने बलूचिस्तान में स्थित ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स में आतंकी हमला किया था, जिसमें दो पाकिस्तानी सैनिक और आठ आतंकवादी मारे गए थे। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा था कि आठ आतंकवादियों ने पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स में घुसने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा बलों के जवानों ने हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। चीन की साझेदारी से बना ग्वादर बंदरगाह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें अरबों डॉलर की सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।